हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 01 | अंक - 339 | बेमेतरा, शनिवार 26 जुलाई 2025 | रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित | कुल पेज - 8 | मूल्य - 5 रूपये

ब्रेकिंग न्यूज

सरकारी बस खाई में गिरने से 5 की मौत-8 घायल, 20 से ज्यादा यात्री सवार थे

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले के अधीन पड़ते सरकाघाट में आज सुबह हिमाचल पथ परिवहन निगम की एक बस खाई में गिर गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में 5 यात्रियों की मौत हो गई है और 8 यात्री घायल बताए जा रहे हैं।वहीं घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सरकाघाट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा सरकाघाट-जमनी-दुर्गापुर सड़क पर मसेरन तालगरा के पास हुआ। स्थानीय प्रशासन राहत एवं बचाव कार्य में जुट गया है। निगम की बस सड़क से करीब 150 मीटर नीचे खाई में गिरी है। बताया जा रहा है कि बस में 20 से ज्यादा यात्री सवार थे। घायलों को पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस में अस्पताल पहुंचा रही है। अब तक हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शायन कुणाल का अम्बिका भवानी मंदिर में भव्य स्वागत

पटना। बिहार धार्मिक न्याश बोर्ड के सदस्य और महावीर मंदिर के ट्रस्टी शायन कुणाल ने आमी स्थित माँ अम्बिका भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान पट्टीपुल न्यू फॉर लाइन पर प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह और सामाजिक कार्यकर्ता शुभम परासर के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे के साथ उनका स्वागत किया। स्वागत समारोह में मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा, मंडल सहयोजक मोनू सिंह, पूर्व मुखिया हरी सहनी और कई अन्य प्रमुख लोग उपस्थित थे। मंदिर पहुंचने पर मंदिर सचिव रितेश बाबा ने शायन कुणाल को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। शायन कुणाल ने मंदिर कमिटी को धन्यवाद दिया और अपनी खुशी व्यक्त की। गौरतलब है कि शायन कुणाल ने अपने पिता के स्वर्गवास के बाद पहली बार हिन्दू न्यास समिति के सदस्य बनने पर चार धाम की यात्रा शुरू की है। इस दौरान उन्होंने अम्बिका भवानी मंदिर, महेन्द्र नाथ शिलानाथ मंदिर और थावे मंदिर में पूजा-अर्चना की ख।

कबाड़ कारोबारी की हत्या, दुकान के बाहर मारी गई गोली

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर सदर थाना क्षेत्र के मझौलिया में एक कबाड़ कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद इलाके में तनाव व्याप्त है। मृतक की पहचान कारोबारी मोहम्मद गुलाब (45) के तौर पर हुई है। बुधवार रात करीब 8 बजे अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। अपराधियों ने उनके सिर, गर्दन और सीने में तीन गोलियां मारीं। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब कारोबारी अपनी दुकान बंद कर स्कूटी पर बैठ रहे थे। इलाके में हुए इस वारदात के बाद मौके पर भारी संख्या में स्थानीय लोग पहुंचे। आनन-फानन में गुलाब को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने सड़क जाम कर दिया और आरोपी पंचायत। समिति सदस्य तुफैल अहमद के घर पर हमला बोलकर दो कारों और एक बाइक में आग लगा दी।

हमारे लिए हमेशा दोस्ती पहले आती है...

हर संकट में भारत ने मालदीव का साथ दिया-पीएम मोदी.....

माले/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय के दौरे पर मालदीव पहुंचे। पीएम मोदी का माले के वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शानदार स्वागत किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने प्रधानमंत्री की मालदीव यात्रा के दौरान नए समझौता ज्ञापन के तहत मालदीव को 4,850 करोड़ की लोन सहायता प्रदान की है। संयुक्त प्रेस वार्त को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ...सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति और वहां की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए मैं राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष भारत और मालदीव अपने राजनयिक संबंधों की

60वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं, लेकिन हमारे संबंधों की जड़ें समुद्र जितनी गहरी हैं। आज जारी किए गए स्मारक डाक टिकटों में दोनों देशों की पारंपरिक नौकाओं को प्रदर्शित किया गया है। यह दर्शाता है कि हम न केवल पड़ोसी हैं, बल्कि सह-यात्री भी हैं। हमारे लिए हमेशा दोस्ती पहले आती है। नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'महासागर' विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, पिछले साल अक्टूबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान हमने व्यापक आर्थिक और समुद्री साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझा किया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है। यह उसी का परिणाम है कि हमारे संबंध नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। कई परियोजनाओं का उद्घाटन संभव हो पाया है।

शांति, स्थिरता और समृद्धि हमारा साझा लक्ष्य- पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी कहा रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग आपसी विश्वास का परिचायक है. रक्षा मंत्रालय की बिल्डिंग जिसका आज उद्घाटन किया जा रहा है इस विश्वास की मजबूत इमारत है, हमारी मजबूत साझेदारी का प्रतीक है. हमारी साझेदारी अब मौसम विज्ञान में भी होगी. मौसम चाहे जैसा हो हमारी मित्रता सदैव उज्ज्वल और स्पष्ट रहेगी. हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि हमारा साझा लक्ष्य है.

भारत ने मालदीव को दिए कई तोहफे, 4,850 करोड़ की नई लोन सहायता दिया

भारत सरकार की ओर से मालदीव को 56.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर यानी 4,850 करोड़ रुपये की नई लोन सहायता दिया गया है. इसके अलावा भारत सरकार ने मालदीव को 72 भारी वाहन भी दिए हैं. इसके अलावा ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट, अद्दू रोड और हनिमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पुनर्विकास की भी घोषणा की गई है जो इस क्षेत्र को आर्थिक और ट्रांजिट केंद्र बनाएगा.

जाति जनगणना अब राहुल का मिशन

कांग्रेस शासन में जाति जनगणना न कराना मेरी गलती-राहुल गांधी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में कांग्रेस के 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि मैं 2004 से राजनीति में हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मैंने गलती की। मैंने ओबीसी की उस तरह रक्षा नहीं की जैसी मुझे करनी चाहिए थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं उस समय आपके मुद्दों को गहराई से नहीं समझ पाया। उन्होंने कहा कि मुझे अफ्सोस है कि अगर मुझे आपके (ओबीसी) इतिहास, आपके मुद्दों के बारे में थोड़ा भी पता होता, तो मैं उसी समय जाति जनगणना करा लेता। यह मुझसे हुई गलती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलती नहीं है, यह मेरी गलती है। मैं उस गलती को सुधारने जा रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने काम के बारे में सोचता हूं कि मैंने कहां ठीक काम किया और कहां कमी रह गई, तो मुझे 2-3 बातें दिखती हैं। जमीन अधिग्रहण बिल, मनरेगा, भोजन का अधिकार, ट्राइबल बिल, नियामगिरी की लड़ाई, ये सारे काम मैंने ठीक किए। जहां तक आदिवासियों, दलितों, महिलाओं के मुद्दे हैं, वहां मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए। मैंने अच्छा काम किया। कांग्रेस पार्टी और मेरे काम में एक कमी रह गई- मुझे ओबीसी वर्ग की जिस तरह से रक्षा करनी थी। मैंने नहीं की। इसका कारण है कि मुझे ओबीसी के मुद्दे उस वक्त गहराई से नहीं समझ आए थे। 10-15 साल पहले दलितों के सामने जो कठिनाईयां थीं, वो मुझे समझ आ गई थीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनके मुद्दे सामने हैं, वो आसानी से समझ आ जाते हैं। लेकिन ओबीसी की मुश्किलें छुपी रहती हैं। मुझे अगर आपके मुद्दों और परेशानियों के बारे में उस वक्त पता होता(

मृत्युदंड के प्रावधान पर केंद्र चिंतित

राज्यपाल ने अपराजिता विधेयक ममता सरकार को वापस भेजा गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भारतीय न्याय संहिता में प्रस्तावित बदलावों पर केंद्र की ओर से उठाई गई गंभीर आपत्तियों पर विचार के लिए अपराजिता विधेयक को राज्य सरकार को वापस भेज दिया है। राजभवन के सूत्र के मुताबिक, केंद्र ने पाया कि सितंबर 2024 में विधानसभा में पारित अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक, भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत दुष्कर्म की सजा में बदलाव की सिफारिश करता है, जो अत्यधिक कठोर और असंगत हैं। हालांकि, राज्य सरकार का कहना है कि उसे अभी तक केंद्र सरकार या राज्यपाल कार्यालय से विधेयक के कुछ प्रावधानों पर टिप्पणियों के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है। विधेयक में भारतीय न्याय संहिता के तहत दुष्कर्म के लिए मौजूदा न्यूनतम 10 साल की सजा को बढ़ाकर शेष जीवन या मृत्यु तक आजीवन कारावास करने का प्रस्ताव है। सूत्रों की मानें तो गृह मंत्रालय ने विधेयक के कई प्रावधानों को समस्या से ग्रस्त बताया। मंत्रालय की आपत्ति के बाद राज्यपाल ने उन्हें उचित विचार के लिए राज्य सरकार के पास भेज दिया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र ने दुष्कर्म की सजा को न्यूनतम 10 साल से बढ़ाकर दोषी के शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड करने के लिए बीएनएस की धारा 64 में संशोधन के प्रस्ताव को अत्यधिक कठोर और असंगत बताया है।

किन-किन प्रावधानों पर चिंता जताई?

सूत्रों के मुताबिक, केंद्र ने दुष्कर्म की सजा को न्यूनतम 10 साल से बढ़ाकर दोषी के शेष जीवन के लिए आजीवन कारावास या मृत्युदंड करने के लिए बीएनएस की धारा 64 में संशोधन के प्रस्ताव को अत्यधिक कठोर और असंगत बताया है। दूसरा विवादास्पद बदलाव धारा 65 को हटाने का प्रस्ताव है, जो वर्तमान में 16 और 12 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ दुष्कर्म के लिए कठोर दंड का प्रावधान करती है। बताया जा रहा है कि इससे सजा में आनुपातिकता का सिद्धांत कमजोर हो सकता है और सबसे कमजोर पीड़ितों के लिए कानूनी सुरक्षा कम हो सकती है।

हरियाणा में दिल दहलाने वाली वारदात,युवक को गलियों में दौड़ा-दौड़ाकर गंडासे से काटा

कैथल। हरियाणा के कैथल जिले में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक 24 वर्षीय युवक की गंडासे से काटकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारों ने उसे गलियों में दौड़ा-दौड़ाकर काटा और बाद में उसकी लाश को गोबर के ढेर (बिटोड़े) पर फेंक दिया। इस क्रूर हत्याकांड का पता गुरुवार सुबह तब चला जब गांव वालों ने गली में खून के निशान देखे। यह घटना कैथल के कलायत थाना क्षेत्र के गांव बड़सीकरी कलां की है। सुबह जब गांव के लोग उठे तो उन्होंने गली में खून पड़ा देखा।

गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास लैंड माइन ब्लास्ट सेना का एक जवान शहीद और दो जवान घायल.....

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शुक्रवार को बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, जब बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, तब जवान कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस घटना में 7 जाट रेजिमेंट के ललित कुमार नामक अग्निवीर जवान शहीद हो गए, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया जीओसी सव्हाइटनाइट कोर और सभी रैंक 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 25 जुलाई 2025 को सकृष्णाघाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक माइन विस्फोट के बाद एरिया डोमिनेशन गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान

दिया था। उन्होंने आगे कहा कि हम इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं। जम्मू-कश्मीर में बारूदी सुरंग विस्फोट कोई नई बात नहीं है। इसी साल मई में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी और पुंछ ज़िले में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक जवान घायल हो गया था। अधिकारियों के अनुसार, दिगवार सेक्टर के अग्रिम इलाके में गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ। घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली के तहत, अग्रिम इलाकों में बारूदी सुरंगें बिछी होती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं, जिससे ऐसी दुर्घटनाएँ होती हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायल हवलदार को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की.

32,000 कैमरे खराब,15,000 का अता-पता नहीं-सीएम रेखा

नई दिल्ली। दिल्ली में पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी सीसीटीवी परियोजना, गंभीर खामियों का पता चलने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से ज़्यादा कैमरे काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 15,000 से ज़्यादा कैमरे अभी भी लगे नहीं हैं। कई इलाकों में, लगाए गए कैमरों की संख्या स्वीकृत संख्या से काफ़ी कम है। इसके जवाब में, मौजूदा सरकार ने कमियों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए पूरी परियोजना का व्यापक तकनीकी

ऑडिट कराने की घोषणा की है। इस बीच, 19 मार्च को, दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने आप नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र जैन के खिलाफराष्ट्रीय राजधानी के लिए 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया।

छत से टपकता था पानी फिर भी बच्चों को बैठाया गया

स्कूल की छत गिरी,प्रार्थना कर रहे आठ मासूमों की मौत...

झालावाड़/ एजेंसी

राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में शुक्रवार सुबह स्कूल की छत गिरने से दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक सरकारी स्कूल की बिल्डिंग की छत अचानक गिर गई, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रार्थना सभा के दौरान हुई इस घटना में 8 बच्चों की मौत हो गई है। शिक्षा विभाग ने पांच शिक्षकों को निलंबित किया है। जानकारी के अनुसार स्कूल में हादसा उस वक्त हुआ जब प्रार्थना चल रही थी। हादसे के समय स्कूल के शिक्षक भवन के बाहर थे। जबकि छात्र स्कूल भवन के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। इस वजह से शिक्षक हादसे का शिकार नहीं हुए हैं। इस हादसे में करीब 27 बच्चे घायल हुए हैं । इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल बच्चों को झालावाड़ के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। स्कूल की छत गिरने के बाद गांव वालों ने मलबे से बच्चों को निकालना शुरू किया। इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद ली गई। स्कूल की छत काफी समय से जर्जर हो रही थी और लगातार हो रही भारी बारिश के बाद छत के गिरने का अंदेशा भी बना हुआ था। इसके बाद भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा मासूम बच्चों की जान चली गई। गंभीर घायल बच्चों को

झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मलबा हटाने में रेस्क्यू टीम के साथ ग्रामीण भी पूरी तरह से लगे रहे। झालावाड़ जिला कलक्टर अजय सिंह राठौर ने कहा कि सभी बच्चों को बाहर निकाल लिया गया है। इस हादसे में अब तक 8 बच्चों की मौत हो गई है। बच्चों को मलबे से बाहर निकालने वाले बनवारी, जो बच्चों को लेकर अस्पताल भी पहुंचे। घटना के चश्मदीद बनवारी ने बताया कि बच्चे स्कूल में जाकर बाहर वापस बाहर निकलने लगे थे। फिर उनको स्कूलों में जबरन अंदर भेजा गया। इसके बाद भवन की छत भरभराकर गिर गई। बच्चे उसी में दब गए। हम सब बचाने के लिए भागे। जैसे तैसे मलबा हटाकर बच्चों को निकालना शुरू किया। स्कूल जर्जर था। हम गांव वालों ने शिकायत भी की थी। स्कूल की छत से पानी टपकता था। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद भी बच्चों को स्कूल में बैठाया जा रहा था। जिस कक्षा में हादसा हुआ उसमें करीब 30-35 बच्चे थे। शिकायत करने पर कहा कि पंचायत बनवाएगी भवन। सब एकदूसरे पर टालते रहे।

गीदम पुलिस ने किया मोटरसाइकिल चोरी कर फर्जी दस्तावेज बनवाकर बेचने वाला गैंग का पर्दाफाश

आरोपी गुलशन नाहटा समेत चार के खिलाफबी एन एस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज

7.5 लाख की चोरी की गईं पांच मोटरसाइकिलें बरामद जिसमें 02 नग बुलेट, 02 नग स्पलेण्डर तथा एक नग पल्सर शामिल

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

गीदम पुलिस ने जिले में एक बड़े बाइक चोर गिरोह का पर्दाफश किया है, मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से कुल पांच मोटरसाइकिल बरामद की गई है जिनकी अनुमानित कीमत 7:30 लाख रुपया बताई जा रही है। दरअसल गीदम पुलिस द्वारा बीते 24 जुलाई 2025 को एम सी पी कार्यवाही वाहन चेंकिग की कार्रवाई की जा रही थी। इसी दौरान लाल रंग का स्पलेण्डर क्रमांक सीजी 17 सी 1880 के मोटर सायकल को रोककर चालक गुलशन नाहटा को मोटर सायकल का दस्तावेज प्रस्तुत करने बोला गया,चालक द्वारा उक्त मोटर सायकल के संबंध में कोई दस्तावेंज नहीं होना बताये जाने पर प्रथम द्रष्टया मोटर सायकल चोरी का होने के अंदेशा पर मोटर सायकल स्पलेण्डर क्रमांक सीजी17सी 1880 का आंनलाईन आर0टी0ओ0 से जानकारी प्राप्त किया। पंजीयन क्रमांक सीजी 17सी 1880 अल्टो कार एलएक्सआई माडल का होना व वाहन स्वामी महेश राम बघेल पिता डोमुधर बघेल पता ग्राम सिवनी जिला बस्तर का होना पाया गया। गुलशन नाहटा को थाना लाकर विस्तृत पूछताछ करने पर मोटर सायकल चोरी का होना बताया व तीन और मोटर सायकल चोरी का अपने दुकान गैरेज के पीछे छुपाकर रखना बताया। जिसे मौके पर जाकर बरामद किया गया। आरोपी गुलशन नाहटा ने बताया कि वह मोटर सायकल मैकेनिक गैरेज चलाता है,उसके परिचय का प्रवीण गोलछा पिता प्रेमराज गोलछा उम्र लगभग 35 वर्ष सुराना पारा गीदम हाल मुकाम हैदराबाद ने चोरी का मोटर सायकल स्पलेण्डर लाल रंग का बिना पंजीयन नंबर का तथा बुलेट रायल इनफिल्ड कंपनी का बिना पंजीयन नंबर का माह जनवरी 2025 में एवं अप्रैल माह में चोरी का एक पल्सर 220 एफमाडल नीला रंग का बिना नंबर का तथा काला रंग का स्पेलण्डर बिना पंजीयन नंबर का हैदराबाद से चोरी कर वह गीदम पिकअप वाहन से मंगवाया था, एवं उसका दोस्त रिज्जू के0जे0 के पास चोरी का 01 नग रॉयल एनफील्ड बुलेट बिना नम्बर का है वह रिज्जू के0 जे0 के साथ मिलकर चोरी के गाडियों का फर्जी आरसी बुक जगदलपुर निवासी, कैलाश निषाद के दुकान से बनवाकर बेचते थे। चोरी के वाहनो को बेचने के लिए ग्राहक ढूढ़ रहे थे। आरोपी ने बताया कि वह चोरी के मोटर सायकल को कटेकल्याण के रहने वाले लोगों को बेचने का कोशिश किया था परन्तु दस्तावेज न बनने के कारण बेच नहीं पाया था। उसने चोरी का मोटर सायकल प्रवीण गोलछा से खरीद कर उसे पैसे का भुगतान किया था। गुलशन नहाटा की निशानदेही पर उसके दुकान गैरेज के पीछे से चोरी किया हुआ एक रायल बुलेट पंजीयन क्रमांक सीजी17कू7655 एक पल्सर मो0सा0 व एक स्पेलण्डर काला रंग का बिना नंबर का बरामद हुआ। उक्त तीनो मोटर सायकलो का कोई दस्तावेज न होना व हैदराबाद से प्रवीण गोलछा द्वारा चोरी का मोटर सायकल बेचने के लिए गीदम भेजना बताया। आरोपी गुलशन नाहटा, प्रवीण गोलछा और कैलाशनिशाद व रिज्जु के0जे0 द्वारा एक राय होकर मोटर सायकल चोरी कर फर्जी नंबर प्लेट व दस्तावेज लगाकर चोरी का मोटर सायकल खरीदना व बेचना पाये जाने से आरोपियों के विरूद्ध थाना गीदम में अपराध कमांक 73/2025 धारा 303(2) 317(2) 336(2) 340(2) 345(2) (3) 3(5) बी एन एस कायम कर विवेचना में लिया गया। आरोपियो को 24 घण्टे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय दन्तेवाड़ा प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

जिला पंचायत संसाधन केंद्र में नवनिर्वाचित जनपद प्रतिनिधियों का तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

जिला पंचायत संसाधन केंद्र में विगत दिवस जनपद पंचायत दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के नवनिर्वाचित जनपद सदस्यों के लिए तीन दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनप्रतिनिधियों को उनके कर्तव्यों, अधिकारों तथा विकास योजनाओं की जानकारी देना था, ताकि वे अपने क्षेत्र में प्रभावी कार्य कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत संचालन, शासन की प्रमुख योजनाएं, ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और जल-संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई और विभिन्न विषयों पर जिज्ञासाएँ भी प्रस्तुत कीं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अरविंद कुंजाम ने एक पेड मां के नाम पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अपनी माँ या माता-पिता के नाम से अवश्य लगाना चाहिए। यह न केवल भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है, बल्कि पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी रेखांकित करता है। इस कार्यक्रम में जनपद पंचायत-दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोंडा एवं कटेकल्याण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत सदस्यगण जिला पंचायत के अधिकारी एवं नीति आयोग के सहयोगी, पीरामल फाउंडेशन दंतेवाड़ा के कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं ने बारिश में नेशनल हाईवे जाम किया, पुराने शिक्षकों की वापसी की मांग

01अगस्त तक का शासन-प्रशासन को दिया अल्टीमेटम
युक्तियुक्तकरण के चलते बदले गए थे शिक्षक

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में स्थित ÷छू लो आसमां÷ विद्यालय की छात्राओं ने बुधवार को मूसलधार बारिश के बीच प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं ने अपने पुराने शिक्षक की वापसी की मांग को लेकर नेशनल हाईवे को जाम कर दिया और प्रशासन से तत्काल आश्वासन देने की अपील की। करीब ढाई घंटे तक हाईवे पर जमीं रही छात्राओं ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों और पुलिस की समझाइश के बावजूद अपना प्रदर्शन जारी रखा। छात्राओं ने कलेक्टर से यह सुनिश्चित करने की मांग की कि उनके पुराने शिक्षक को वापस पदस्थ किया जाएगा। उनका कहना था कि यदि एक अगस्त तक यह आश्वासन नहीं दिया गया, तो वे फिर से आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगी।

नारेबाजी के बीच बारिश में डटी छात्राएं -मूसलधार बारिश के बावजूद छात्राएं हाईवे पर डटी रही और लगातार प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करती रही। उन्होंने डीएमसी हरीश गौतम से यह भी कहा कि वे कैमरे पर यह बयान दें कि एक अगस्त तक सभी टीचर्स को ÷छू लो आसमां÷ में पदस्थ किया जाएगा।

क्या था विरोध का कारण?- छात्राओं ने यह भी आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग के अधिकारी उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं, और अब उनके लिए केवल कलेक्टर का आश्वासन ही महत्वपूर्ण है। प्रशासन से मिलने का प्रयास करने के बावजूद छात्राएं अपनी मांगों पर अडिग रही।

पुलिस और अधिकारियों ने की कड़ी मशक्कत -प्रशासनिक अधिकारियों के लिए यह विरोध काफी चुनौतीपूर्ण रहा। अधिकारियों और पुलिस की समझाइश के बाद भी छात्राएं सड़क से हटने के लिए तैयार नहीं थीं। अंततः, कड़ी मशक्कत के बाद, अधिकारियों ने उन्हें हाईवे से हटाने में सफलता प्राप्त की।

विरोध के पीछे शिक्षक की भूमिका की जांच जारी-इस प्रदर्शन को लेकर एक सवाल उठता है कि क्या यह किसी शिक्षक की प्रेरणा से हुआ था? इस मुद्दे पर अधिकारियों ने कहा कि यह जांच का विषय है। यदि किसी शिक्षक का इसमें हाथ पाया जाता है, तो उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।छू लो आसमां में करीब 350 छात्राएं पढ़ाई कर रही हैं, और यह विरोध उन सभी की ओर से था, जो अपनी पुरानी शिक्षिका की वापसी की मांग कर रहे थे।

विरोध के बाद प्रशासन ने दिया आश्वासन -प्रशासन ने छात्राओं से आश्वासन दिया कि उनकी मांग पर विचार किया जाएगा और इस मामले का समाधान जल्द किया जाएगा। हालांकि, प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी शिक्षक द्वारा इस प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया गया है, तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी।

बीजापुर के युवा शहीद पत्रकार मुकेश चंद्राकर को 'लोकजतन सम्मान 2025' से गुरुवार को सम्मानित किया गया

बीजापुर /मूक पत्रिका

युवा शहीद पत्रकार मुकेश चंद्राकर को 'लोकजतन सम्मान 2025' से गुरुवार को सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी स्मृति में बीजापुर प्रेस क्लब को प्रदान किया गया, जिसे प्रख्यात कवयित्री पूनम वासम ने ग्रहण किया। यह पहला अवसर है, जब किसी पत्रकार को मरणोपरांत यह सम्मान दिया गया है। रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में पत्रकार, बुद्धिजीवी, संस्कृतिकर्मी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर 'लोकजतन' के संस्थापक संपादक स्व. शैलेंद्र शैली की स्मृति में पखवाड़े भर चलने वाली व्याख्यानमाला का भी शुभारंभ हुआ। वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश जी ने 'लोकतांत्रिक भारत में पत्रकारिता की चुनौतियां' विषय पर समग्र, समावेशी और विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया। वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और विचारक श्री कनक तिवारी जी ने सभा को प्रेरक और गहन विचारों के साथ संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध जी ने की। 'लोकजतन' के संपादक बादल सरोज ने आयोजन का परिचय दिया, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन वरिष्ठ पत्रकार पीसी रथ जी ने किया। इस अवसर पर मुझे भी अपने मित्र और छोटे भाई मुकेश चंद्राकर की पत्रकारिता के योगदान तथा छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों पर विचार रखने का अवसर प्राप्त हुआ। पत्रकार साथी मुकेश चंद्राकर को दिया गया यह सम्मान पूरी पत्रकारिता बिरादरी का सम्मान हैहै, जो कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए जनता की हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। इस सम्मान के लिए पूरी पत्रकारिता बिरादरी की ओर से 'लोकजतन' का हार्दिक धन्यवाद और आभार।

छात्र संघ की गठन, शुभांशु बना शाला नायक - घुरावड़

धमतरी /मूक पत्रिका

शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक माध्यमिक विद्यालय घुरावड़ में छात्र संघ का गठन चुनाव के माध्यम से सम्पन्न हुआ। प्राचार्य डी के बेनर्जी के नेतृत्व में छात्र संघ प्रभारी अजीत कश्यप ने चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई।

शाला नायक पद के लिए एक ही उम्मीद्वार थे, कक्षा 12वी कला संकाय की छात्र शुभांशु नेताम शाला नायक बना। उप शाला नायक नितेश्वर मरकाम बने। अनुशासन सचिव अखिलेश कोर्राम, क्रीड़ा सचिव रुद्र प्रताप सांस्कृतिक सचिव अंजिता मंडावी, छात्रा प्रतिनिधि खुशबू नेताम, स्वच्छता सचिव डोमेंन्द्र मरकाम, स्वास्थ्य सचिव मुरारी सरोज, सचिव नरोत्तम नेताम, स्काउट सचिव मुक्तानंद सरोज, बागवानी सचिव मेघा नेताम, विज्ञान क्लब लिलेश्वरी निर्मलकर, रेडक्रास सचिव रजनी नेताम बनी। प्राचार्य डी के बेनर्जी ने सभी विजयी प्रतिनिधियों को बधाई दी एवं शपथ दिलाया कहा की सभी छात्र प्रतिनिधि शाला को अनुशासित और स्वच्छ बनाए रखें शाला की सभी गतिविधियों में सहयोग करें इस अवसर पर व्याख्याता पीके साहू, सी एच साहू, के के सुरोजिया, गायत्री सेवता, खोमन सहारे, गौरव गुप्ता, लिखेंद्र साहू, लक्ष्मण पाठक, खुमान साहू, अजय साहू, आशीष यदु, बसंत ध्रुव, खेलन जांगड़े, बिरन्ति सोरी, नीलगमन सोरी ने बधाई दी।

अंचल में पारंपरिक रूप से मनाया गया हरेली त्यौहार
प्रकृति के प्रति प्रेम व समर्पण का लोक पर्व है हरेली

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

दक्षिण बस्तर अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में बीते शुक्रवार को हरियाली का पर्व हरेली अमुश त्योहार पारंपरिक रीति रिवाज के साथ मनाया गया । अल सुबह खेतों में तेंदु-खुटा गाड़ने के बाद किसानों ने देवी देवताओं व कृषि औजारों तथा मवेशियों की विधि विधान से पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की । छत्तीसगढ़ संस्कृति की पहचान बन चुकी लोक पर्व हरेली त्योहार श्रावण मास के कृष्ण पक्ष के अमावस्या के दिन मनाया जाता है । हरियाली का पर्व किसानों के लिए खासा महत्व का होता है । इस दिन कृषि कार्य बंद रहते हैं कृषक अल सुबह उठकर नहा धोकर खेतों की और निकल पड़ते हैं और अपने अपनें खेतो में अमुश खुटा गाड़ते हैं ।अमुश खुटा तेंदू पेड़ के एक डंडे से बनाया जाता है इसकी ऊपरी भाग को बेलवा पत्ते में जड़ी बूटी जैसे कि शतावर व रचना पौधे की जड़ कंद को लपेटकर बांधा जाता है और इस अंमुश खुटे को खेतों के बीचो-बीच गाढ़ दिया जाता है।इसका तात्पर्य यह है की इससे खेतों में कीट प्रकोप नहीं लगता और खेत में अच्छी फसल होती है। अमुश खुटा गाड़ने के बाद कृषक घर लौट जाते हैं और अपने देव देवी की विधि विधान से पूजा अर्चना करते हैं इस दिन किसान अपने कृषि कार्य में प्रयुक्त कुदाली, फावड़ा, नागर,बसूला,बिंधना,हल एवं अन्य उपकरणों को धो -पोछकर घर के आंगन में दर्रा मिट्टी के ऊपर रखकर पूजा करते हैं । हरेली के दिन सुबह बैलों को नहलाकर लौंदी खिलाया जाता है। घरों में अच्छे-अच्छे पकवान बनाए जाते हैं।

बड़े सुरोखी के किसान संतु कुंजाम ने बताया कि हरेली आम के दिन हम सभी किसान अपने कुल देवी देवताओं से यह प्रार्थना करते हैं कि हमारे खेतों में लगे फसल अच्छी हो, पशु निरोग रहे लोगों को किसी प्रकार की विपत्ति का सामना न करना पड़े । इस दिन सभी ग्रामीण गौ माता की पूजा करते हैं हरेली पर्व में गेडीं का बहुत अधिक महत्व होता है बच्चे इस दिन गेडीं से चढ़कर इसका भरपूर आनंद लेते हैं कई जगह में गेडीं दौड़ प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती है।

पाट जात्रा पूजा के साथ शुरू हुई विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के बस्तर बस्तर अंचल की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण में बीते गुरुवार को हरेली अमावस्या के मौके पाट जात्रा पूजा विधान के साथ विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व की शुरुआत हुई ।इस दौरान पारंपरिक मांझी चालकि, मेंबर , मेंबरिन,पुजारी, नाईक, पाईक, सेवादार रथ निर्माण के लिए औजार बन रहे हैं बनाने वाले ठूरलू , कोठला रसम अदा करेंगे। इस अवसर पर बस्तर दशहरा समिति द्वारा माझी चालकी, मेंबर मेंबरिन, पुजारी, पटेल , नाईक पाईक सेवादारों सहित गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पाट जात्रा पूजा विधान में शामिल होकर बस्तर दशहरा की शुरुआत की गई। जात्रा पूजा विधान के साथ ही बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी को समर्पित इस 75 दिवसीय ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व में शुक्रवार 5 सितंबर को डेरी गड़ई पूजा विधान , रविवार 21 सितंबर को काछनगादी पूजा विधान ,सोमवार 22 सितंबर को कलश स्थापना पूजा विधान मंगलवार 23 सितंबर को जोगी बिठाई पूजा विधान सहित बुधवार 24 सितंबर से सोमवार 29 सितंबर 2025 तक प्रतिदिन नवरात्रि पूजा एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान सोमवार 29 सितंबर को सुबह 11:00 बजे बेल पूजा , मंगलवार 30 सितंबर को महाष्टमी पूजा विधान एवं निशा जात्रा पूजा विधान बुधवार 01 अक्टूबर को कुंवारी पूजा विधान, जोगी उठाई पूजा विधान एवं मावली परघाव, गुरुवार 02 अक्टूबर को भीतर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान शुक्रवार 3 अक्टूबर को बाहर रैनी पूजा विधान एवं रथ परिक्रमा पूजा विधान शनिवार 4 अक्टूबर को सुबह का काछन जात्रा पूजा विधान के पश्चात दोपहर में मुरिया दरबार का आयोजन होगा । वहीं रविवार 5 अक्टूबर को कुटुंब जात्रा पूजा विधान में ग्राम में देवी देवताओं की विदाई की जाएगी और मंगलवार 7 अक्टूबर को मावली माता की डोली विदाई पूजा विधान के साथ ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व का समापन होगा

थ्योरी वाले विज्ञान को साकार रूप में देखा नवोदय स्कूल के बच्चों ने,, *इसरो के रॉकेट से लेकर एआई तकनीक का उपयोग को किया महसूस

शैक्षिणिक भ्रमण में वन मंदिर भी घूमने का मिला मौका, कलेक्टर की पहल पर कराया गया भ्रमण

दंतेवाड़ा /मूक पत्रिका

पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय बारसूर में 12 वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने बुधवार को जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा स्थित अत्याधुनिक साइंस सेंटर और वन मंदिर का अध्ययन भ्रमण किया। इस साइंस सेंटर में बच्चों ने किताबों में पढ़े जा रहे विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को साकार रूप में देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहा। बच्चों ने न सिर्फ ड्रोन उड़ाया, बल्कि भारत के अंतरिक्ष अभियान से जुड़े इसरो के विभिन्न रॉकेट, उपग्रह के मॉडल्स, अंतरिक्ष यात्रियों की पोशाक व उपकरण के मॉडल्स देखे। विशेष उपकरण की सहायता से अंतरिक्ष से धरती की ओर दिखने वाले नजारे को महसूस भी किया।

विभिन्न साइंटिफिक थीम पर आधारित कक्ष जैसे इंडस्ट्री रूम, फिजिक्स रूम, इमर्सिव रूम, मिनी वर्ल्ड रूम, हार्वेस्ट हब का भ्रमण करते हुए प्रयोगों और प्रदर्शनों के बारे में चर्चा करते हुए विज्ञान संबंधित सिद्धांतों जैसे न्यूटन के उद्गम स्थल चुंबकीय उत्तोलन, वानडे ग्राफ जनरेटर, तरंग मंडल, लेंज लॉ, बैलिस्टिक पेंडुलम, टेस्ला कॉईल, प्लाज्मा बल, प्रकाशकीय गति, व्हिम्स हर्सट मशीन को समझा। अत्याधुनिक एआई तकनीक और रोबोटिक्स उपकरणों को बच्चों ने बड़ी जिज्ञासा से देखा। साइंस सेंटर के बाद विद्यार्थियों ने वन मंदिर पार्क का भ्रमण किया, जहां नक्षत्र वाटिका, राशि वन में रोपे गए पौधों की जानकारी ली। साथ ही मानव शरीर के विभिन्न अंगों में होने वाली बीमारियों के इलाज में उपयोग होने वाली औषधीय वनस्पतियों को भी देखा। जिला कलेक्टर व पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय समिति के पदेन अध्यक्ष कुणाल दुदावत की पहल पर विद्यालय के इन बच्चों को इस शैक्षणिक भ्रमण पर लाने की व्यवस्था की गई थी।

इसके लिए विद्यालय के प्राचार्य धर्मेंद्र कुमार यादव समेत विद्यालय परिवार ने कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएम मोदी भी कर चुके जिक्र-जिले के युवा और बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने करने और विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से यहाँ विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात के जरिये राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हो चुके इस सेंटर में विद्यार्थी विभिन्न वैज्ञानिक माडलों, प्रयोगों और प्रदर्शनों को न केवल देखते हैं, बल्कि उन्हें प्रयोग कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी खोजते हैं।

विज्ञान की समझ बढ़ाने पर जोर-इस साइंस सेंटर का उद्देश्य केवल विज्ञान की शिक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने, प्रयोगधर्मी बनाने और उनके अंदर नए आविष्कारों की संभावनाओं को जागृत करना है। केंद्र में रखे गए इंटरएक्टिव मॉडल, डिजिटल डिस्प्ले, और प्रयोगशालाएं बच्चों को विज्ञान को केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित न रखकर, उसे जीवंत रूप में समझने का अवसर प्रदान करते हैं।

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल, किरन्दुल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हरेली तिहार

किरंदुल/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ भवन किरंदुल में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के तत्वाधान में गुरूवार शाम को छत्तीसगढ़ का प्रथम त्यौहार हरेली महापर्व का आयोजन मुख?य महाप्रबंधक (उत?पादन) के.पी.सिंग के मुख?य आतिथ?य तथा विशेष अतिथिगण महाप्रबंधक खनन एस के कोचर, उपमहाप्रबंधक (मा.सं.) श्रीमती के.एल.नागवेणी, नगर पालिका परिषद अध?यक्ष,श्रीमती रूबी सिंह, शैलेन्द्र सिंग, किरन?दुल शशिभूषण महापात्रा ,श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह,उप निरीक्षक लीलाराम गंगबेर, उत्कर्ष देवांगन, शाखा प्रबंधक एस बीआई तथा किरन?दुल नगर के विभिन?न छत?तीसगढी समाज के प्रमुख एवं महिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरी रीति-रिवाज के साथ किया गया।सावन माह के कृष्ण पक्ष अमावस्या में मनाया जाने वाला हरेली पर्व में अच्छी फसल की कामना के साथ अन्नदाता बैल और हल सहित कृषि कार्य में उपयोग होने वाले अन्य उपकरणों और औजारों की विशेष पूजा अर्चना कर खेती किसानी का कार्य प्रारम्भ करते है। अतिथिगणों के साथ पूजा का कार्यक्रम कचरू बैगा के करकमलों से सम?पन?न हुआ, देवेन?द्र साहू, पिलेश?वर निषाद , कीर्ति राणा, सावित्री निषाद व साथियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत प्रस्तुत किया।सचिव पी एल साहू ने स?वागत उदबोधन में छत?तीसगढ के प्रथम तिहार हरेली के महत?व को बताते हुए सभी को पर्व की बधाई दी।उपस्थित सदस्यों ने छत?तीसगढी हरेली गीत के साथ गेड़ी का भरपुर आनंद लिया।कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद व मिष्ठान वितरण किया गया।धन?यवाद ज्ञापन अध?यक्ष लोकनाथ एवं कार्यक्रम का संचालन बी एल तारम ने किया । हरेली महापर्व के इस शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, सचिव पी एल साहू, कार्यालय सचिव डागेंद्र वर्मा,संरक्षक नागेश्वर नांदल, उप महाप्रबंधक (खनन),शुशांत रामटेके,विनोद मंडले,पलक राम,कल्याण सिंघ रावटे,देवेन?द्र लाला साहू,पतिराम , पिलेश्वर निषाद, परमेन?द्र पटेल,गुलेंद्र, दिलीप ठाकुर,लीलाधर यादव,जीवन साहू,, घनश्याम वर्मा, वीरेंद्र साहू, दिलीप ठाकुर,मोहित देशमुख,वीरेन्द्र वैष्णव,ओमकुमार साहु,अनिल साहु,योगेश साहू,सूरज सिप्पी,पार्षद अमृत तन्दन,गौरीशांकर जाटवार,गंदेश,अनुराग,चंचल देवांगन,गोविंद उइके,जीवन साहू, , पार्षद कीर्तनी राणा ,पार्षद गायत्री ,ईश्वरी वर्मा, ,सहित संस्था के सभी वरिष्ठ सदस्य एवं मातृ शक्ति तथा बच्चे भारी संख्या मे उपस्थित थे।

पॉलीटेक्निक में भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

बीजापुर/मूक पत्रिका

शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज बीजापुर में ÷भूतपूर्व छात्र सम्मेलनङ्क2025÷ का सफल आयोजन किया गया। जिले के एकमात्र इंजीनियरिंग संस्थान में आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य संस्था के सतत विकास के साथ-साथ वर्तमान विद्यार्थियों के कैरियर संवर्धन को बढ़ावा देना रहा।÷अपनी यादों को फिर से याद करें, पुनः जियें और उनका आनंद लें÷ विषय पर आधारित यह सम्मेलन हाइब्रिड पद्धति पर संपन्न हुआ, जिसमें देश-विदेश में कार्यरत भूतपूर्व छात्र गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअली जुड़े, वहीं अनेक छात्र-छात्राएं प्रत्यक्ष रूप से संस्था में उपस्थित हुए।कार्यक्रम की शुरुआत भूतपूर्व छात्रों के सम्मान व परिचय सत्र से हुई, जिसमें उन्होंने अपने शैक्षणिक अनुभवों एवं पेशेवर जीवन की यात्राओं को साझा किया। उनके अनुभवों ने न सिर्फ छात्रों को प्रेरित किया बल्कि उन्हें भविष्य निर्माण के लिए उपयोगी दिशा-निर्देश भी मिले।इस अवसर पर संस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रंगारंग प्रस्तुतियां हुईं, जिसमें अध्ययनरत विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। संस्थान के प्राचार्य सी.के. राहंगडाले ने भूतपूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि वे आज विभिन्न क्षेत्रों में संस्था का नाम रौशन कर रहे हैं। उन्होंने सभी पूर्व छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का आयोजन भूतपूर्व छात्र सेल द्वारा किया गया, जिसके अध्यक्ष संदीप कुमार सोनी (व्याख्याता - भौतिकी) एवं उनकी टीम का आयोजन में अहम योगदान रहा।

सायबर सेल बेमेतरा एवं थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही

जुआ एक्ट के 01 प्रकरण में 07 जुआडियानो से नगदी रकम 7,500 /- रूपये एवं 52 पत्ती तास जप्त

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती ज्योति सिंह, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, एसडीओपी बेरला विनय कुमार, डीएसपी राजेश कुमार झा, डीएसपी श्रीमती कौशिल्या साहू, श्रीमती संतोषी ग्रेस के मार्गदर्शन में बेमेतरा पुलिस द्वारा अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली पदार्थो, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, बाउंड ओवर, गुंडा बदमाशों, फरार वारंटीयों एवं सामाजिक सौहार्द बिगाडने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। जिसके तहत 24 जुलाई 2025 को थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा स्टाफ को जरिये मुखबीर से सूचना मिली कि सब्जी मंडी के पीछे ग्राम सिंघौरी में कुछ जुआडियान आम जगह पर 52 पत्ती ताश से रूपये पैसों का दांव लगाकर काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे है कि सूचना पर थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा एवं सायबर सेल पुलिस टीम पहुच कर सुचना के अधार पर रेड कार्यवाही किया गया, रेड कार्यवाही के दौरान कुछ लोग पुलिस को आते देखकर भाग निकले मौके पर जुआडियान पकडे गये। जिसमें थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में 01 प्रकरण दर्ज कर 07 जुआडियानो 01. घनश्याम यादव उम्र 22 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 14 सिंघौरी बेमेतरा, 02. करण वाल्मिकी उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 13 सिंघौरी बेमेतरा, 03. परस राम वर्मा उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 13 सिंघौरी बेमेतरा, 04. मोहम्मद फरहान उम्र 19 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 19 सोनीपारा बेमेतरा, 05. आशा राम वर्मा उम्र 27 वर्ष,निवासी वार्ड नं. 14 सिंघौरी बेमेतरा, 06. तारण निर्मलकर उम्र 35 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 13 सिंघौरी बेमेतरा, 7. केशव साहू उम्र 28 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 13 सिंघौरी बेमेतरा,जिला बेमेतरा के विरूद्ध धारा 3(2) छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषध) अधिनियम 2022 के तहत कार्यावाही की गई हैं।

जुआडियों के पास एवं फड से कुल जुमला नगदी 7,500/- रूपये एवं 52 पत्ती तास को जप्त कर कार्यवाही किया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा एवं सायबर सेल प्रभारी उप निरीक्षक मयंक मिश्रा, सउनि दीनानाथ सिन्हा, आरक्षक रवि साहू, संजय पाटिल, नुरेश वर्मा, रेखन साहू, जयकिशन साहू, असलम खान, धनेश लहरे सहित अन्य का सराहनीय भुमिका रही।

ग्राम चवांड में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत फलदार पौधों का वृक्षारोपण

कांकेर/मूक पत्रिका

नरहरपुर ग्राम चवांड में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत फलदार पौधों का वृक्षारोपण जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की रही सक्रिय भागीदारी माँ के नाम एक पेड़ यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि भावनाओं और पर्यावरण संरक्षण का संगम बनता जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम चवांड में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का भावपूर्ण आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय, छात्रावास व खेल मैदान परिसर में फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस पुनीत अवसर पर क्षेत्र की जनपद सदस्य शिल्पा साहू तथा ग्राम पंचायत चवांड के सरपंच खामन कांगे मुख्य रूप से उपस्थित रहे दोनों जनप्रतिनिधियों ने पौधे लगाकर अभियान की शुरुआत की और अपने विचार भी साझा किए।

सुश्री शिल्पा साहू, जनपद सदस्य ने कहा माँ को समर्पित एक

पौधा, आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवनदायी वटवृक्ष बन सकता है। आज का पौधा कल की छांव बनेगा। हम सबका दायित्व है कि इस अभियान को केवल एक दिन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। सरपंच श्रीमान खामन कांगे ने भी ग्रामवासियों से अपील की कि वे हर वर्ष कम से कम एक पौधा लगाएं और उसकी देखभाल को एक जिम्मेदारी की तरह निभाएं। इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे ग्राम के पंच एवं ग्राम वासी परमेश दुग्गा , सीता कुलदीप चंद्रिका ऊईके, भुनेश्वर साहू । , रघु कुंजाम, चंद्रकला दुग्गा, रविकांत बघेल, नंदिनी बघेल, सावन कुंवर।

जिले में अब तक औसत 2128.3 मिमी वर्षा, भोपालपटनम सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र

कार्यालय कलेक्टर (भू–अभिलेख शाखा),
जिला–बीजापुर (छ.ग.)

तहसीलवार दैनिक वर्षा की जानकारी (मि.मी. में)

प्रतिवेदन दिनांक - 25-07-2025

क्र.	जिला का नाम	तह. क्र.	तहसील का नाम	आज दिनांक की वर्षा	1 जून 2025 से प्रतिवेदित दिनांक तक की वर्षा	तहसील की आज तक की औसत वर्षा (पिछले 10 वर्षों के आधार पर)	आज तक की वर्षा का औसत वर्षा से प्रतिशत	तहसील की संभावित औसत वर्षा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	बीजापुर	1	बीजापुर	93.0	824.1	985.9	83.6	2366.8
		2	गंगालूर	83.0	734.2	834.5	88.0	2132.6
		3	भैरमगढ़	89.2	776.1	987.3	78.6	2467.1
		4	कुटरू	125.5	797.8	908.1	87.9	2310.3
		5	भोपालपटनम	38.7	479.6	737.8	65.0	1797.4
		6	उसूर	48.3	514.2	621.5	82.7	1695.6
योग जिला				477.7	4126.0	5075.1	-	12769.8
जिला का औसत				79.6	687.7	845.9	81.3	2128.3

टीप :- इन्द्रावती नदी का जल स्तर 7.500 मीटर। चेतावनी जल स्तर 12.50 मीटर है।

क्रमांक / वधू / कले / भू.अ. / वर्षा / 2025 बीजापुर, दिनांक 26 / 07 / 2025

बीजापुर /मूक पत्रिका

जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच कलेक्टर कार्यालय (भू-अभिलेख शाखा) द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीजापुर जिले में अब तक औसतन 2128.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।जिला स्तर पर सर्वाधिक वर्षा भैरमगढ़ में 2467.1 मिमी और कुटरू में 2310.3 मिमी दर्ज की गई है, जबकि भोपालपटनम क्षेत्र में सबसे कम 1797.4 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।आज दिनांक तक तहसीलवार औसत वर्षा की स्थिति निम्नानुसार रही:बीजापुर 2366.8 8 3 . 6 मिमी,भोपालपटनम 1797.4 77.4 मिमी,भैरमगढ़ 2467.1 93.2 मिमी,गंगालूर 2302.6 88.0 मिमी, कुटरू 2310.3 82.1 मिमी,उसूर 1779.4 80.7 मिमी है।रिपोर्ट में जिले की प्रमुख नदी इंद्रावती का जलस्तर 7.5 मीटर, जबकि चेतावनी जल स्तर 12.5 मीटर पर है, जिससे अभी बाढ़ की कोई सीधी आशंका नहीं जताई गई है।

भाजपा नगरपालिका अध्यक्ष की सक्रियता से कांकेर नगर का हो रहा है, तेजी से विकास

कांकेर/मूक पत्रिका

कांकेर भाजपा नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक की कार्यप्रणाली, नेतृत्व क्षमता से भ्रष्टाचार से बुरी तरह त्रस्त जनता को भाजपा के जीरो टॉलरेंस (शून्य भ्रष्टाचार) के नारो क्षेत्रीय नगरीय जनता को विश्वास होने लगा है कांकेर नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक अपने पुराने कांग्रेस कार्यकाल को शीघ्र समाप्त करवा कर अपने नए शुरुआती कार्य नगर पालिका के कार्यों में कमीशन खोरी, घूसखोरी, भ्रष्टाचार रहित जनहित के कार्यों का शीघ्र प्रारंभ करेंगे । कांकेर नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने शुरुआती कार्यों में कांकेर शहर के पौराणिक ऐतिहासिक तालाबों का सौंदर्य करण, पचरीकरण, सर्व सुविधा युक्त बनाने का कार्य प्रारंभ किया है। शहर की नालियों, शहर के वार्डो को दुरुस्त कर शहर को स्वच्छ सुंदर करने का बीड़ा उठाया है।पालिका अध्यक्ष ने कांकेर शहर के दुधावा तालाब , बैजनाथ तालाब, दड़िया तालाब को अपने प्राथमिकता में रखकर कार्य प्रारंभ किया है। कांकेर नगर पालिका अध्यक्ष ने शहर की नालियों की साफ सफाई को अपनी प्राथमिकता में रखकर कार्य प्रारंभ किया है। जिसकी शहर में स्थानीय लोग भाजपा अध्यक्ष पार्षदों की सक्रिय गतिविधियों की भूरि भूरि प्रशंसा कर रहे हैं। विदित होकि नगर पालिका आजादी के बाद से इस अवसर को छोड़कर भाजपा का कांकेर नगर पालिका में कब्जा नहीं रहा है। एक लंबे अंतराल के पश्चात भाजपा अध्यक्ष, कांकेर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव जीतने में सफल हुई है। नगरीय विकास को लेकर क्षेत्रीय नगरी जनता को भाजपा अध्यक्ष से बड़ी उम्मीदें हैं। भाजपा नगर पालिका अध्यक्ष क्षेत्रीय जनता की मांगों को पूरा करने प्रयासरत है।

इंस्टाग्राम प्रोफाईल फोटो में अश्लील कमेन्ट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

कांकेर/मूक पत्रिका

दिनांक 24.07.2025 को प्रार्थिया के द्वारा थाना आकर लिखित आवेदन पेश करने पर कि दिनांक 23/07/2025 के दोपहर करीबन 01/00 बजे प्रार्थिया अपने मोबाईल फोन के इंस्टाग्राम आई डी को खोल कर देख रही थी। जिसमें उसके इंस्टाग्राम आई डी में हरीश सोनकर निवासी लारगांव मरकाटोला नाम का व्यक्ति प्रार्थिया इंस्टाग्राम के प्रोफाईल फोटो में गंदी-गंदी अश्लिल कमेन्टस करते हुये हरीश सोनकर अपने इंस्टाग्राम आई डी से पब्लिक स्टोरी एवं हाई लाईटस में प्रार्थिया के प्रोफाईल फोटो में गंदी गंदी अश्लिल कमेन्टस लिखकर लगाये हैं कि लिखित रिपोर्ट पर थाना कांकेर में अपराध क्रमांक 215/2025 धारा 79 बीएनएस अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान श्रीमान उ.म.नि. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. के. एलिसेला (भा.पु.से.) उ.ब. कंळाकेर के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिनेश सिन्हा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर मोहसीन खान के मार्गदर्शन में धारा 67 (ए) सुचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 का समावेश किया गया है। विवेचना दौरान प्रार्थिया एवं गवाहो का कथन लिया गया है। प्रार्थिया के पेश करने पर घटना का अश्लिल कमेन्ट का स्क्रीन शॉट एवं मोबाईल को जप्तकिया गया। आरोपी का पता तलाश के दौरान मुखबीर की सूचना पर आरोपी हरीश कुमार सोनकर पिता स्व उदेय सिंह सोनकर उम्र 22 वर्ष जाति सोनकर निवासी लारगांव मरकाटोला थाना कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर को बीते शुक्रवार को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ कर मेमोरण्डम कथन लिया गया जो अपराध धारा सदर को स्वीकार करने पर गवाहो के समक्ष आरोपी हरीश कुमार सोनकर के मोबाईल को जप्त किया जाकर अपराध धारा सदर का सबूत पाये जाने से बीते शुक्रवार को विधिवत् गिरफ्तार कर रिमाण्ड फार्म तैयार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कांकेर निरीक्षक मनीष नागर के नेतृत्व में प्र.आर. कौशल साहू, प्रआर. दिनेश कुलदीप, आरक्षक मुनेश शोरी, आरक्षक श्रवण ठाकुर, आरक्षक वयंत सरोज, एवं महिला आर. सविता नाग, म.आर. अंजली गोटा व पेट्रोलिंग टीम का अहम भूमिका रहा है।

समय पालन और अनुशासन सुनिश्चित करें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं चलेगी - कलेक्टर

आबकारी आरक्षक परीक्षा 2025 : कलेक्टर रणबीर शर्मा ने समीक्षा बैठक में दिए कड़े निर्देश

- **परीक्षा में पारदर्शिता और सुरक्षा सर्वोपरि : केंद्रों में जैमर, पुलिस बल और सख्त ड्रेस कोड लागू**

बेमेतरा/मूक पत्रिका

27 जुलाई दिन रविवार को व्यापम द्वारा आयोजित आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 के सफल आयोजन हेतु बीते शुक्रवार को कलेक्टर रणबीर शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्टरेट के दिशा सभाकक्ष में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस परीक्षा में प्रदेश भर से लगभग 2 लाख 70 हजार अभ्यर्थी सम्मिलित हो रहे हैं, जिसमे बेमेतरा जिले से लगभग 5000 अभ्यर्थी शामिल होंगे 7 इसके लिए जिले मे 20 परीक्षा केंद्र बनाये गए हैं 7 जिसके सुचारू संचालन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों, पुलिस प्रशासन एवं तकनीकी एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

परीक्षा समय और प्रवेश व्यवस्था सख्त-बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि परीक्षा 27 जुलाई को प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 1.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा के दिन अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य होगा ताकि समय पर उनकी फ्रिस्किंग एवं दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया संपन्न की जा सके। मुख्य द्वार प्रातः 10.30 बजे के बाद बंद कर दिया जाएगा, जिससे किसी भी परिस्थिति में देरी से आए हुए अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

जैमर व तकनीकी निगरानी की पुख्ता व्यवस्था-प्रत्येक परीक्षा केंद्र में संचार विहीन वातावरण सुनिश्चित करने हेतु भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड द्वारा जैमर लगाए जाएंगे। इन जैमरों की निगरानी हेतु प्रशिक्षित कर्मचारी की ड्यूटी निर्धारित की गई है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कर्मचारियों के प्रशिक्षण एवं संचालन की संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित एजेंसी सुनिश्चित करे, ताकि परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के गलत इस्तेमाल की कोई संभावना न रहे।

पुलिस बल की तैनाती व फ्रिस्किंग की निगरानी-सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की जाएगी, जो परीक्षा प्रारंभ होने से 2 घंटे 30 मिनट पूर्व केंद्र पर उपस्थित होंगे। अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग मेटल डिटेक्टर व मैनुअल तलाशी के माध्यम से की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की तलाशी केवल महिला पुलिसकर्मियों से ही कराई जाएगी।

परीक्षा केंद्रों में सुविधाएं और अनुशासन पर विशेष जोर-कलेक्टर शर्मा ने निर्देश दिए कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु उप पुलिस अधीक्षक या उच्च अधिकारी को पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किये जाने निर्देशित किये है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी परीक्षा कक्षों में कार्यशील दीवाल घड़ी अनिवार्य रूप से लगाई जाए, जिससे समय पालन में कोई भ्रम न हो। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्रों में पीने के पानी, टॉयलेट आदि की सुविधा समयपूर्व जांची जाए और किसी भी अभ्यर्थी को असुविधा न हो।

अभ्यर्थियों के लिए ड्रेस कोड और निषेधाज्ञा का पालन अनिवार्य-अभ्यर्थियों के लिए दिशा-निर्देश जारी करते हुए बताया गया कि वे हल्के रंग के आधी बांह के कपड़े पहनें एवं फुटवियर के रूप में चप्पल ही पहनें। किसी भी प्रकार का कान का आभूषण, बेल्ट, टोपी, स्कार्फ, पर्स, घड़ी, मोबाइल फोन या अन्य संचार उपकरण परीक्षा केंद्र में लाना पूर्णतः वर्जित होगा। धार्मिक या सांस्कृतिक पोशाक पहनने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र पर अन्य से पहले रिपोर्ट करना होगा, ताकि आवश्यक सुरक्षा जांच की जा सके। परीक्षा में अनुचित साधनों के प्रयोग पर कठोर कार्रवाई होगी एवं संबंधित की अभ्यर्थिता तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी जाएगी।

कलेक्टर ने की सख्त अनुशासन और पारदर्शिता की अपील-कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बैठक के समापन पर सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता या असंगति को गंभीरता से लिया जाएगा। समन्वय की भूमिका में सभी विभागों को सजग रहकर कार्य करना होगा, जिससे कि यह परीक्षा प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक सफल उदाहरण बन सके।

इस अवसर पर एडीएम अनिल वाजपेयी, डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर, सभी केंद्राध्यक्ष, नोडल, उड़नदस्ता दल एवं ऑब्जर्वर उपस्थित थे ।

संपादकीय

आतंक के विरुद्ध भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

अमेरिका ने आखिर उस सच को स्वीकार कर लिया, जिसे भारत पहले ही दुनिया के सामने उजागर कर रहा था। पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) को अमेरिका ने वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया है। यह वही आतंकी संगठन है, जिसने पहलगाम में निर्दोष लोगों का खून बहाया। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। यह इस बात का भी सूचक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत के प्रयास सफल हो रहे हैं। इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से पर्दा हटाया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली थी, लेकिन बाद में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने पर उसने अपना बयान वापस ले लिया। यह कोई नया आतंकी संगठन नहीं है, बल्कि लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। यह बात छिपी नहीं है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे हैं, उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता। इसे भारत की कूटनीतिक ताकत ही कहा जाएगा कि उसने न सिर्फ टीआरफ को बेनकाब किया, बल्कि दुनिया को यह भी दिखाया कि आतंकवाद के खिलाफ उसका रुख कितना मजबूत है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव था कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड नहीं अपनाता है। दोहरे मापदंड की बात इसलिए अहम है, चूंकि एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है? बहरहाल, भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चल रहा है और अब समय आ गया है कि दुनिया के तमाम देश इस लड़ाई में भारत के साथ आएं तथा दोहरे मापदंड त्याग कर आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करें।

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है।

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

(ललित गर्ग)

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे।

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ

और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी।

पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आवाज से 8 गुना तेज, सबसे घातक क्रूज हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण भारत ने किया परीक्षण

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का 'गेम चेंजर' कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में 'किंझाल' मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था।

भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर अमेरिका, रूस और चीन जैसी वैश्विक शक्तियों वाले हाइपरसोनिक क्लब में प्रवेश हासिल कर लिया है। हम आपको बता दें कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के माध्यम से मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। डीआरडीओ ने 'एक्सटेंडेड ट्राजेक्टरी लॉन्ग ड्यूरेशन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (ईटी-एलडीएचसीएम)' नामक देश की सबसे उन्नत मिसाइल प्रणाली विकसित की है। यह न केवल भारत की वर्तमान मिसाइल प्रणाली जैसे ब्रह्मोस, अग्नि-5 और आकाश को पीछे छोड़ती है, बल्कि आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदल सकती है।

हम आपको बता दें कि ईटी-एलडीएचसीएम को डीआरडीओ के गोपनीय प्रोजेक्ट 'विष्णु' के तहत विकसित किया गया है। यह मिसाइल मेक 8 (आवाज की गति से आठ गुना अधिक) की रफ्तार से उड़ सकती है और 1,500 किलोमीटर तक सटीक वार करने में सक्षम है। यह ब्रह्मोस के मुकाबले तीन गुना अधिक दूरी और तीन गुना अधिक रफ्तार वाली प्रणाली है। इसकी मुख्य विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि पारंपरिक इंजनों के विपरीत यह इंजन वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग करता है, जिससे यह लंबी दूरी तक लगातार हाइपरसोनिक गति बनाए रख सकता है। यह 1,000 से 2,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। साथ ही यह रडार से बचने और दुश्मन की रक्षा प्रणाली को भेदने में सहायक है। इसे भूमि, समुद्र और वायु तीनों स्थानों से दागा जा सकता है। इसके टारगेट्स की बात करें तो आपको बता दें कि दुश्मन के कमांड सेंटर, रडार सिस्टम, नौसेना के बेड़े और भूमिगत बंकर को यह आसानी से निशाना बना सकता है। हम आपको बता दें कि ईयूरोशियन काम की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ईटी-एलडीएचसीएम नामक जो मिसाइल बना रहा है उसकी सबसे खास बात उसका इंजन है जिसे स्क्रैमजेट कहते हैं। यह मिसाइल करीब 8 मैक यानी लगभग 11,000 किलोमीटर की रफ्तार से दुश्मन पर कहर बनकर टूटती है। क्या होता है हाइपरसोनिक हथियार यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियार वे होते हैं जो मेक 5 (आवाज की गति से पांच गुना अधिक) से तेज गति से उड़ सकते हैं। ये पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों से अलग होते हैं क्योंकि ये अपनी उड़ान के दौरान दिशा बदल सकते हैं, जिससे इन्हें पकड़ना और रोकना अत्यंत कठिन होता है। इसके मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं- हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (एचसीएम) ईटी-एलडीएचसीएम इसी श्रेणी में आता है। हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का 'गेम चेंजर' कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में 'किंझाल' मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। अमेरिका लॉकहीड मार्टिन के जरिए इस दिशा में कार्य कर रहा है। फ्रांस, जर्मनी, जापान, इजराइल और ऑस्ट्रेलिया भी इस दौड़ में शामिल हैं। यह बात भी काबिलेगौर है कि भारत का यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर है।

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों के विकास में सबसे बड़ी चुनौती अत्यधिक गति के कारण उत्पन्न 2000 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी को सहने की होती है। इसके लिए डीआरडीओ ने हीट रेसिस्टेंट मटेरियल और कार्बन कॉम्पोजिट्स का प्रयोग किया है। दूसरी चुनौती रियल टाइम नेविगेशन और संचार की है, जिसे भारत ने स्वदेशी तकनीक से हल किया है।

प्रोजेक्ट विष्णु की जहां तक बात है तो आपको बता दें कि इसके तहत डीआरडीओ 12 अलग-अलग हाइपरसोनिक सिस्टम विकसित कर रहा है, जिनमें आक्रमणकारी मिसाइल और इंटरसेप्टर दोनों शामिल हैं। नवंबर 2024 में इस प्रोजेक्ट के तहत स्क्रैमजेट इंजन का पहला सफल परीक्षण हुआ था। ईटी-एलडीएचसीएम इस प्रोजेक्ट की पहली बड़ी सफलता है। महत्वपूर्ण बात यह कि इस मिसाइल का पूरा निर्माण भारत में हुआ है और वह भी एमएसएमई और निजी रक्षा कंपनियों के सहयोग से। इससे न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि ईटी-एलडीएचसीएम दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन बदलने में सक्षम है। यह चीन के इंडो-पैसिफिक प्रभुत्व और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की क्षमता को और मजबूत करेगा। यह मिसाइल रूस के यूएस-500 या इजराइल के आयरन डोन जैसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को भी चुनौती दे सकती है। देखा जाये तो इस सफल परीक्षण ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमता वाले देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। यह केवल एक मिसाइल नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है। भविष्य में इस तकनीक के आधार पर भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी बड़ी शक्ति बन सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के मिसाइल कार्यक्रम की शुरुआत का जब भी जिक्र होता है, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम सबसे पहले स्मृति में आ जाता है। 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' के रूप में प्रसिद्ध डॉ. कलाम ने भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था, जिसमें बैलिस्टिक, क्रूज और भविष्य में हाइपरसोनिक तकनीक भी शामिल थी। आज जब भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, तो यह केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि अब्दुल कलाम के उसी सपने का विस्तार है।

कावड़ यात्रा- धर्म, संस्कृति, परंपरा व सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम

पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है।

(दीपक कुमार त्यागी)

कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं।

पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इसलिए शिव भक्तों के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके कांवड़ से लाये पवित्र जल के माध्यम से जलाभिषेक करके इसको एक भव्य महापर्व के रूप में मनाया जाता है। हालांकि पूरे श्रावण मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों खासतौर पर गंगा के जल को सनातन धर्म की बेहद प्राचीन धर्म-संस्कृति व परंपराओं के अनुसार लाकर भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं।

देश-दुनिया में पवित्र नदियों के जल को शिव भक्तों के कंधे पर बांस की बनी कांवड़ के दोनों सिरों पर लटके हुए कलश में लेकर के आने की इस अद्भुत यात्रा को ही कांवड़ यात्रा कहते हैं। सदियों के बाद आज के दौर में शिव भक्त हर वर्ष तरह-तरह की कांवड़ लेकर आते हैं, जो लोगों को आकर्षित करने का कार्य करती हैं। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का

एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह यात्रा प्राचीन धर्म-संस्कृति, परंपराओं व सामाजिक समरसता का एक विशाल अद्भुत संगम है। भगवान शिव के आशिर्वाद से हर वर्ष ही कांवड़ यात्रा से जहां एक तरफ तो लाखों लोगों को रोजगार मिलने से उनका परिवार पलता है, वहीं दूसरी तरफ यह भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके उन्हें खुश करने का एक बड़ा अवसर भक्तों को मिलता है। कांवड़ यात्रा लोगों को एक जुट रहकर के जल की एक-एक बूंद की अहमियत को बताते हुए प्रकृति की पूजा के बारे में बताती है, वहीं सनातन धर्मियों को बड़े पैमाने पर इकट्ठा करके जातियों के जहरीले बंधनों को तोड़कर के सनातनियों को एक सूत्र में पिरोने का एक बहुत बड़ा संदेश भी देती है।

कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं। शिव भक्त कांवड़िए कांवड़ अलग-अलग तरह की कांवड़ लेकर आते हैं। बहुत सारे भक्त सामान्य कांवड़ लेकर पैदल चलते हैं जिसमें आवश्यकताओं अनुसार भक्त विश्राम करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लाते हैं।

वहीं डाक कांवड़ में शिवभक्त गंगा जल लेकर लगातार दौड़ लगाने की कठिन तपस्या करते हुए, शिव-शंभु का जलाभिषेक करते हैं, यह कांवड़ आजकल बहुत ज्यादा प्रचलन में है। वहीं खड़ी कांवड़ में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता है, विश्राम करते समय भी दूसरा साथी कांवड़ कंधों पर रखता है। वहीं कुछ शिव भक्त बैठी कांवड़ लेकर आते जिसमें वह कांवड़ पास रखकर के बैठकर आराम कर सकते हैं।

वहीं कुछ भक्त दंडी कांवड़ लेकर आते हैं जो सबसे कठिन होती है, इसमें कांवड़िया दंडवत प्रणाम करते हुए निशान लगाते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं, यह सबसे कठिन प्रकार की कांवड़ यात्रा होती है। सदियों पहले कांवड़ यात्रा की शुरुआत कैसे हुई, इसके संदर्भ में कई पौराणिक मान्यताएं हैं, माना जाता है कि समुद्र मंथन में निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने जब पीकर अपने कंठ में इकट्ठा कर लिया था, तो देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था।

वहीं कुछ पौराणिक कथाओं के मतानुसार रावण को ही पहला कांवड़िया माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान शिव समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर जब ताप से बेहद व्याकुल हो गए थे, तब उन्होंने अपने अनन्य भक्त लंका नरेश रावण को पुकारा था, शिव भक्त रावण ने तत्काल उपस्थित होकर भगवान शिव के हालात देखकर के उनका जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। जिससे भगवान शिव को शांति मिली थी।

यह भी कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगा से जल लाकर के जब पुरा महादेव मंदिर बागपत में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई है।

वहीं रामायण में उल्लेख मिलता है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने अपने नेत्रहीन माता-पिता को बांस की डंडे के दोनों ओर बंधी टोकरियों में बैठाकर गंगा स्नान व तीर्थाटन करवाने की यात्रा शुरू की थी, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई।

हांलाकि आज भी कांवड़ यात्रा में चंद विधर्मी हुड़दंगियों को छोड़ दिया जाए तो यह एक बहुत ही कठिन जप-तप वाली तपस्या है, जोकि शिव भक्त कांवड़ियों के अपने आराध्य भगवान शिव पर अटूट विश्वास के दम पर ही पूर्ण होती है। शिव भक्तों की कांवड़ भगवान शिव के प्रति आस्था अटूट समर्पण और भक्ति का प्रतीक है। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ को कंधे पर रखकर के पैदल चलते हुए शिव भक्त तरह-तरह के शारीरिक कष्ट सहते हैं, फिर भी शिव भक्तों की भगवान शिव के प्रति आस्था जरा सी भी कम नहीं होती है। (लेखक अधिवक्ता, स्तंभकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यानमाला में बोले उर्मिलेश : अंबेडकर दलितों के नहीं, मानवता के मसीहा थे ; मुकेश चंद्राकर के लिए पूनम वासम ने ग्रहण किया लोकजतन सम्मान

कनक तिवारी ने भी दिया विचारोत्तेजक वक्तव्य

रायपुर/मूक पत्रिका

÷बाबा साहेब आंबेडकर दलितों के नहीं, मानवता के मसीहा थे। उन्हें संविधान सभा का अध्यक्ष गांधीजी की सलाह पर बनाया गया था, जबकि गांधीजी और अंबेडकर की वैचारिकी एकदम अलग थी। इसके बावजूद वे दोनों आधुनिक भारत के निर्माण और उसके लोकतांत्रिक- धर्मनिरपेक्ष भविष्य के बारे में साझा दृष्टिकोण रखते थे। आंबेडकर के बिना संविधान नहीं बन सकता था। वे बहुत कुछ करना चाहते थे, लेकिन वह संभव नहीं था, क्योंकि संविधान सभा में कांग्रेस का बहुमत था। इसके बावजूद आंबेडकर ने एक शानदार संविधान दिया। इस संविधान और इसके बुनियादी मूल्यों की रक्षा करना आज सबसे बड़ी लड़ाई है, क्योंकि आज केंद्र की सत्ता में जो पार्टी है, वह इन मूल्यों को मानने के लिए तैयार नहीं है। ये मूल्य हमारी स्वाधीनता संग्राम की लड़ाई के दौरान विकसित हुए थे और संघ-भाजपा न केवल इस लड़ाई से दूर थी, बल्कि अंग्रेजी उपनिवेशवाद की समर्थक ही थी।÷ उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश ने कल शैलेन्द्र शैली स्मृति व्याख्यान माला में ÷लोकतांत्रिक भारत में पत्रकारिता की चुनौतियां÷ विषय पर बोलते हुए रखे। उन्होंने कहा कि हमारे स्वाधीनता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ते हुए समझौता और संघर्ष की रणनीति अपनाई। यह हमारी आजादी की लड़ाई का यूनिक फीचर था। इसी संघर्ष के दौरान धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, गणराज्य, सामाजिक न्याय, भाईचारे की आधुनिक अवधारणा का विकास हुआ, जिसे हमारे संविधान में समाहित किया गया। उन्होंने संघ भाजपा के इस दुष्प्रचार का कड़ा प्रतिवाद किया कि हमारे मूल संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द का उल्लेख नहीं था और संविधान के अनुच्छेद 25 (2) (ए) का हवाला देते हुए बताया कि हमारा संविधान किसी भी धर्म को राजधर्म घोषित नहीं करता। उर्मिलेश ने कहा कि बाबा साहेब ने साफसाफ कहा था कि यदि संविधान को क्रियान्वित करने वाले लोग बुरे होंगे, तो यह संविधान भी बुरा ही साबित होगा। आज जो लोग सत्ता में हैं, वे आज इस संविधान के रहते ही आम जनता को इसके बुनियादी मूल्यों से अलग करने की साजिश रच रहे हैं। जैसे जैसे ये मूल्य कमजोर हो रहे हैं, भारत में लोकतंत्र भी कमजोर हो रहा है और वह लोकतांत्रिक गणराज्य से कॉर्पोरेट राज में बदल रहा है। इसका असर मीडिया और प्रेस पर भी पड़ रहा है। कॉर्पोरेट मीडिया आम जनता के सामने झूठ परोसने का माध्यम बन गया है। वह आरक्षण विरोधी और मंदिर समर्थक हो गया है। उन्होंने जोर दिया कि राष्ट्रवाद वह है, जो जाति और धर्म के ढांचे से बाहर निकलकर देश की जनता को सहनशीलता और सहिष्णुता के आधार पर मोहब्बत करना सीखाता है। लोकतंत्र के इस स्वरूप को मीडिया और समाज में बचाए रखना ही आज की सबसे बड़ी चुनौती है। उल्लेखनीय है कि यह व्याख्यान माला 24 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगी। यह पहला दिन था और इसी दिन देश के किसी पत्रकार को पत्रकारिता में उसके उल्लेखनीय योगदान के लिए लोकजतन सम्मान से अभिनंदित किया जाता है। इस समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार दिवाकर मुक्तिबोध ने की। इस वर्ष का लोकजतन सम्मान बीजापुर के शहीद पत्रकार मुकेश चंद्राकर को दिया गया, जो छत्तीसगढ़ में कॉरपोरेट विरोधी पत्रकारिता के आइकॉन थे।

''मिलेट्स'' को बढ़ावा देने की अभिनव पहल : किसानों को मिली ''मिलेट मिक्सी'', पोषण सुरक्षा की ओर एक मजबूत कदम

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिला प्रशासन ने पोषण सुरक्षा और किसानों की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की है। जिले में मिलेट्स जैसे पारंपरिक और पोषणयुक्त अनाज जैसे कोदो, कोसरा और रागी के उपयोग को प्रोत्साहित करते हुए प्रशासन द्वारा गीदम विकासखंड के 20 किसानों को मिलेट मिक्सी वितरित की गई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल मिलेट्स के घरेलू उपयोग को बढ़ावा देना है, बल्कि इन फसलों के उत्पादन का अधिकतम लाभ किसानों को दिलाना भी है।

कार्यक्रम का आयोजन और सहभागिता- वितरण कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत सदस्य एवं कृषि विभाग की सभापति श्रीमती ममता मंडावी के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम में मिलेट आधारित जीवनशैली को अपनाने और इसे ग्रामीण अंचल में प्रोत्साहित करने की दिशा में सार्थक संवाद भी हुआ।

मिलेट्स की खेती और चुनौतियां- उल्लेखनीय है कि वर्तमान में दंतेवाड़ा जिले में लगभग 16 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कोदो, कोसरा और रागी जैसी फसलें उगाई जाती हैं। हालांकि इन फसलों की स्थानीय प्रोसेसिंग सुविधाओं की कमी के चलते अधिकांश किसान इन्हें खुले बाजार में बेचने को विवश हैं, जिससे उन्हें इनका पूरा मूल्य नहीं मिल पाता। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए किसानों को प्रोसेसिंग उपकरण प्रदान कर उन्हें स्वयं के उपभोग तथा मूल्यवर्धन की दिशा में सक्षम बनाने का प्रयास किया गया है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को घर पर ही अनाजों की प्रोसेसिंग की सुविधा देना है, जिससे वे मिलेट्स को अपने दैनिक आहार में शामिल कर सकें। इससे न केवल ग्रामीण परिवारों में पोषण स्तर में सुधार होगा, बल्कि इन अनाजों की बाजार में मांग और मूल्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही, यह खाद्य विविधता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके अलावा कोदो, कोसरा और रागी जैसे अनाज पोषण का भंडार हैं, जिनमें फाइबर, आयरन, कैल्शियम, जिंक और बी-कॉम्प्लेक्स विटामिन प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इनका सेवन मधुमेह और मोटापे जैसी बीमारियों के नियंत्रण में सहायक होता है। साथ ही, इनमें फाइबर की अधिकता इन्हें पाचन के लिए लाभकारी बनाती है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाती है। विशेष रूप से रागी में उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है, जो बच्चों और महिलाओं के लिए अत्यंत उपयोगी है। इन फसलों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये कम पानी और उर्वरक में भी अच्छी उपज देती हैं, जिससे ये पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ कृषि का उत्कृष्ट उदाहरण बनती हैं।

लोक संस्कृति में धर्म जुड़ने से यह आयोजन यज्ञ बन गया– देवलाल सिन्हा

मानस-हरेली तिहार का लोलेसरा में भव्य आयोजन, लोक परंपरा और श्रीरामकथा का अद्भुत संगम

बेमेतरा/मूक पत्रिका

श्रावण अमावस्या हरेली जैसे शुभ दिन पर लोलेसरा की पुण्यभूमि एक अनुपम आयोजन की साक्षी बनी, जब मां भद्रकाली जिला मानस संघ, बेमेतरा के मार्गदर्शन और श्री गुरूपद सत्संग समिति के सौजन्य से ÷मानस-हरेली तिहार÷ का दिव्य आयोजन संपन्न हुआ। हरेली जैसे लोकपर्व को जब श्रीरामचरित मानस की भावगंगा से जोड़ा गया, तो यह केवल पर्व न रहकर एक सांस्कृतिक यज्ञ का स्वरूप ले लिया। छत्तीसगढ़ी परंपरा और मानस-गान का यह समागम श्रोताओं के हृदय में भक्ति और भाव की तरंगें छोड़ गया।

मानसगान की गूंज बनी आयोजन की आत्मा-कार्यक्रम में भाग लेने आई अनेक प्रसिद्ध मानस मंडलियों ने श्रीरामकथा के भावपूर्ण गीतों से वातावरण को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। प्रमुख प्रस्तुति देने वालों में –

आदर्श मानस मंडली भरचट्टी बेरला-जय दुर्गा मानस मंडली कोसपातर बेरलाअनुराग सरोवर मानस मंडली बेतर साजाप्रभु के आशीर्वाद मानस मंडली बहेरा बेमेतरास्वरागिनी मानस परिवार नवागांव करंजिया नवागढ़माँ शारदा मानस मंडली शंकर नगर नवागढ़इन मंडलियों की प्रस्तुतियाँ श्रोताओं के मन में गहरी छाप छोड़ गईं।

धर्म और लोक संस्कृति का संगम: अतिथि विशेष-कार्यक्रम में मां भद्रकाली जिला मानस संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अध्यक्ष देवलाल सिन्हा,उपाध्यक्ष माखन साहू सह डा ओंकार चंद्राकर सचिव नरेन्द्र जायसवाल,कोषाध्यक्ष विष्णु साहू,संरक्षक राजकुमार ताम्रकार मोहन दास वैष्णव माधो राम साहू खेलन राजपूत तहसील अध्यक्ष बेमेतरा बिहारी लाल यादव,नवागढ़ अध्यक्ष महेश कुमार साहू, बेरला के अध्यक्ष उत्तम साहू, साजा अध्यक्ष श्रवण साहू, संगठन मंत्री विनोद साहू, सदस्य रिषम,राजेन्द्र साहू, सुरेश साहू, और अनिष, भीखम, तेजस, प्रहलाद कल्याणी सेन जलेश्वर दास मानिक पुरी लता निषाद बाबूलाल साहू डा ललित साहू राजेंद्र मानिकपुरी सनत साहू सत्यभामा साहू ज्योति साहू जितेंद्र साहू सभी की गरिमामयी उपस्थिति से आयोजन गौरवान्वित हुआ।इस अवसर पर देवलाल सिन्हा ने कहा – ÷जब लोक संस्कृति में धर्म का समावेश होता है, तब वह आयोजन मात्र उत्सव नहीं, यज्ञ बन जाता है।÷

स्वप्न को किया साकार- कार्यक्रम के मुख्य संयोजक गजेंद्र वर्मा (अंशु साउंड, लोलेसरा) ने भावुकता के साथ कहा –÷यह आयोजन मेरा नहीं, हमारी संस्कृति और श्रद्धा का सपना था, जिसे मां भद्रकाली जिला मानस संघ के सभी सहयोगियों और ग्रामवासियों ने मिलकर साकार किया।÷

सेवा में समर्पित रहे ये चेहरे-श्री गुरूपद सत्संग सेवा समिति, लोलेसरा के सदस्य –

तेखन सिंह वर्मा, धुरसिंग साहू, उत्तम साहू, संतोष यादव, भाउराम साहू, मेघराज साहू, चितरेन साहू, दुर्गेश वर्मा, लल्ला वर्मा, भुरू वर्मा, लक्की साहू, घनाराम साहू, छोटु साहू, शिव वर्मा, कृष्णा वर्मा, राजकुमार वर्मा, गिरधारी साहू, गिरवर वर्मा, अमित वर्मा, किशन वर्मा, ओमेश वर्मा एवं अन्य भोजन, भंडारा और अन्य व्यवस्थाओं में दिन-रात लगे रहे।

कलेक्टर एवं एसपी ने किया सड़क और पुल-पुलिया का निरीक्षण, जलजमाव की समस्या पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने बीते शुक्रवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया एवं संभावित जलजमाव स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने बरेला क्षेत्र में सड़क पर जलभराव की स्थिति का जायजा लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल वैकल्पिक जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भारी बारिश की स्थिति में यातायात बाधित न हो। कलेक्टर ने कहा कि सड़क मार्गों पर निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए एवं जलनिकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बीरगांव, बिलासपुर-मुंगेली बायपास सड़क सहित अन्य स्थलों का दौरा कर बाढ़ पूर्व आवश्यक तैयारियों की समीक्षा भी की। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ अथवा अतिवृष्टि की स्थिति में जन-धन की क्षति को रोकने के लिए सभी एहतियाती उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव सामग्री सहित आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और लोगों से अपील की कि भारी वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति में अनावश्यक रूप से नदी-नाले को पार न करें। पुलिस अधीक्षक ने भी संबंधित अधिकारियों से समन्वय कर संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने एवं आपदा की स्थिति में तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करने हेतु तैयार रहने को कहा। उन्होंने कहा कि कहीं भी पानी का बहाव अधिक हो, तो तुरंत वहां चौकसी बढ़ाई जाए और लोगों को पार करने से रोका जाए। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दिनेश्वरी नेताम बरबांधा के स्कूली बच्चों के साथ सादगी पूर्ण जन्मदिवस मनाई

धमतरी/मूक पत्रिका

पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत नगरी दिनेश्वरी नेताम ने नेवता भोज के रूप में भोजन कराया बच्चों को। साथ ही अपने ही जन्मदिवस पर सभी बच्चों को उपहार स्वरूप कॉपी और पेन वितरण किया। दिनेश्वरी नेताम ने कहा जब मुझे पता चला कि बरबांधा स्कूल के बच्चे प्रयास, नवोदय, एकलव्य जैसे स्कूलों के लिए प्रतिवर्ष चयनित होते हैं, तब मुझे इस स्कूल के शिक्षकों से मिलने की इच्छा जागृत हुई, और आज वह इच्छा पूर्ण हो गई। उनके साथ महेंद्र नेताम अध्यक्ष भाजपा अनु.जनजाति जिला धमतरी और हुमीत लिमजा पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत नगरी थे। नेवता भोज के साथ थाना सिहावा से पुलिस प्रधान आरक्षक के नेतृत्व में साइबर फ्रॉड से बचने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दिया गया। उन्होंने बताया कि ओटीपी शेयर नहीं करना है किसी के साथ और न ही किसी प्रकार की अज्ञात लिंक में क्लिक करना है। ग्राम से सरपंच रूखमणि मरकाम, पूर्व सरपंच डामन कोर्राम, सगराम कोर्राम, नंद कुमार, संदेश नेताम, बिजुराम, बहादुर कोर्राम, लोमेश कोर्राम, ईश्वर सोनी स्कूल स्टॉप में प्रधान पाठक भूखण मरकाम, रमेश नागेश, रोहिणी सहारे, पल्लवी मरकाम, आलोक मरकाम, ओंमकार सिन्हा, लोकेश मरकाम, डिगेश्वरी कोर्राम और रीमा नेताम ने दिनेश्वरी नेताम को जन्मदिवस की बधाई दिये एवं नेवत्ता भोज ग्रहण किए।

हरेली अमुस कुसीर पड़ूंम के अवसर पर गोटुल वड़मामाड के लया लयोरो के द्वारा गोटुल परिसर में वृक्षारोपण किया गया

कोंडागांव /मूक पत्रिका

प्रकृति से जुड़ा यह छत्तीसगढ़ प्रदेश का पहला त्यौहार हरेली है, जो पूरे प्रदेश में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है । हरेली त्योहार के अवसर पर आदिवासी समाज के लोगों ने गोटूल में एकत्रित होकर खाली पड़े स्थानों पर विविध प्रकार के फलदार पौधा जैसे इमली, आम, सिहाडी, बीजा, कोसुम, जामुन, पौधा लगाया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण हरियाली बढाना तथा ग्रामीणों में प्रकृति के प्रति जागरूकता लाना, साथ ही यह पहल सामाजिक एकता सांस्कृतिक जागरूकता लाना भी है। धीरे धीरे जल जंगल जमीन और पर्यावरण नष्ट होने की कगार पर है । जैसे जलवायु असंतुलन जैवविविधता में कमी और मानव जीवन पर गम्भीर प्रभाव पड़ रहा है इन्हीं समस्याओ को ध्यान में रखते हुए जंगल की महत्व के प्रति जागरूक करने व संरक्षित करने के उद्देश्य से बुम गोटुल लया लयोरो ने वृक्षारोपण किये इस अभियान के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि प्रकृति की रक्षा करना हम सभी की सामुहिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक लगाया गया पौधा भविष्य को संवारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है वृक्षारोपण कार्यक्रम में मारी क्षेत्र सहित 18 गांव के गोटुल लया लयोर। सामाजिक कार्यकर्ता स्थानीय जनप्रतिनिधियों कर्मचारी एंव बुम मुदिया सिरहा बुद्धेश्वर कोरेटी रमेश कोरेटी सामलाल कोरेटी संजू कावडे प्रभू तेता रोहित कोमरा गणेश कुमेटी दिपेश पददा लखमू कोमरा महेन्द्र मन्डावी राजेश आचला अमृता कुमेटी वार्ड पंच प्रमेश्वरी बिरेंद्र नाग शिवनाथ नाग अनिल कुजांम सरपंच सुनिता कावडे आर्मी जवान रतिराम नेताम उर्मीला समेत समस्त लया लयोर एंव ग्रामीण उपस्थित थे।

"120 बहादुर' टीजर रिलीज से पहले फरहान अख्तर करेंगे जोधपुर दौरा, मेजर शैतान सिंह को देंगे श्रद्धांजलि!

फरहान अख्तर '120 बहादुर' टीज़र रिलीज से पहले पहुंचेंगे जोधपुर, मेजर शैतान सिंह की वीरता को करेंगे नमन!

जित मुंबई /मूक पत्रिका

फरहान अख्तर की आने वाली वॉर फिल्म 120 बहादुर दर्शकों को रेजांग ला की कठिन वादियों में लेकर जाएगी, जो भारतीय सैन्य इतिहास के सबसे बहादुर लेकिन कम जानें जाने वाले किस्सों में से एक है। 1962 भारत-चीन युद्ध के दौरान हुए ऐतिहासिक रेजांग ला की लड़ाई पर बनी इस फिल्म में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के 120 जवानों की कहानी दिखाई जाएगी, जिन्होंने 16,000 फीट की ऊंचाई पर पूरी चीनी बटालियन का मुकाबला किया था। फिल्म का टीज़र 2 अगस्त को रिलीज होगा। फरहान अख्तर जल्द ही जोधपुर जाएंगे, जहां वे बहादुर सैनिक मेजर शैतान सिंह को श्रद्धांजलि देंगे। यह दौरा उनकी आने वाली फिल्म 120 बहादुर के टीज़र लॉन्च से पहले हो रहा है, जो 2 अगस्त में आएगा। मेजर शैतान सिंह ने देश के लिए जो साहस दिखाया, उसे याद करने और सम्मान देने के लिए यह एक खास मौका होगा। यह फिल्म 1962 के भारत-चीन युद्ध में लड़े सैनिकों की सच्ची और भावुक कहानियां दिखाएगी, और फरहान की यह यात्रा उस जुड़ाव को और मजबूत बनाती है।120 बहादुर का निर्देशन रजनीश 'रेज़ी' घई ने किया है और इसे रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) और अमित चंद्रा (ट्रिगर हैपी स्टूडियोज) ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है। फिल्म 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी!

करपात्री जयंती पर विशेष

स्वामी श्री करपात्रीजी के संदेशों को वर्तमान में आत्मसात करने की आवश्यकता

रायपुर/मूक पत्रिका

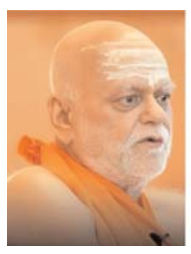

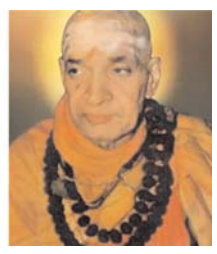

ऋग्वेदीय पूर्वाम्नाय श्रीगोवर्द्धनमठ पुरीपीठाधीश्वर अनन्तश्री विभूषित श्रीमज्जगदुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीनिश्चलानन्द सरस्वतीजी महाराज के गुरू सर्वभूतहृदय यतिचक्रचूड़ामणि रामराज्य के प्रणेता धर्मसम्राट स्वामी करपात्रीजी महाराज का आज श्रावण शुक्ल द्वितीया 26 जुलाई शनिवार को 118 वाँ प्राकट्य दिवस है। आज का दिन धर्मसंघ पीठ परिषद , आदित्यवाहिनी ङ्क आनंदवाहिनी संगठन के लिये करपात्री जी महाराज को समर्पित है। आज के परिवेश में पूज्य करपात्री जी महाराज के संदेश हमें मार्ग प्रदान करते हैं। सनातन मानबिन्दुओं की रक्षा , गोरक्षा , राजनीति में शुचिता हेतु राम राज्य परिषद की स्थापना जैसे कार्यों के लिये उनका व्यक्तित्व एवं दर्शन आत्मसात करने योग्य अनुकरणीय है। स्वामी करपात्रीजी भारत के एक सन्त , स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं राजनेता थे। दशनामी परम्परा के सन्यासी स्वामीजी का मूल नाम हरिनारायण ओझा था। दीक्षा के उपरान्त उनका नाम 'हरिहरानन्द सरस्वती' पड़ा किन्तु वे 'करपात्री' नाम से ही प्रसिद्ध थे। (कर = हाथ , पात्र = बर्तन, करपात्री = हाथ ही बर्तन हैं जिसके)। आप के कर कमलों में जितना भोजन आता आप उतना ही भोजन प्रसाद समझकर प्रसन्नतापूर्वक ग्रहण कर लेते इसलिये आप करपात्री के नाम से विख्यात हुये। धर्मनियंत्रित , पक्षपातविहिन , शोषण विनिर्मुक्त शासनतंत्र की स्थापना के लिये आपने वर्ष 1948 में अखिल भारतीय रामराज्य परिषद नामक राजनैतिक दल का भी गठन किया था। धर्मशास्त्रों में इनकी अद्वितीय एवं अतुलनीय विद्वता को देखते हुये इन्हें 'धर्मसम्राट' की उपाधि प्रदान की गयी थी। आज जो रामराज्य सम्बन्धी विचार गांधी दर्शन तक में दिखाई देते हैं - धर्म संघ , रामराज्य परिषद् , राममंदिर आन्दोलन , धर्म सापेक्ष राज्य आदि सभी के मूल में स्वामीजी ही हैं। स्वामी करपात्री का जन्म सम्वत् 1964 विक्रमी (सन् 1907 ईस्वी) में श्रावण मास शुक्ल पक्ष द्वितीया को उत्तरप्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के भटनी ग्राम में सनातनधर्मी सरयूपारीण ब्राह्मण रामनिधि ओझा एवं श्रीमती शिवरानी जी के आँगन में हुआ। बचपन में उनका नाम 'हरिनारायण' रखा गया। स्वामी जी तीन भाई थे ङ्कज्येष्ठ भ्राता हरिहरप्रसाद , मँझले हरिशंकर और छोटे हरिनारायण आप स्वयं थे। मात्र 09 वर्ष की अल्पायु में प्रतापगढ़ के खंडवा गाँव के पं0 रामसुचित की सुपुत्री महादेवी जी के साथ आपका विवाह संपन्न करा दिया गया किन्तु सोलह वर्ष की आयु में एक पुत्री के जन्म लेने के बाद आपने पूरे परिवार को रोता बिलखता छोड़ माता पिता को प्रणाम करके हमेशा के लिये गृहत्याग कर दिया। उसी वर्ष ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती से कांशी के दुर्गाकुण्ड में नैष्ठिक ब्रह्मचारी की दीक्षा लेकर दण्ड ग्रहण कर हरि नारायण से ' हरिहर चैतन्य ' बने। वे स्वामी ब्रह्मानन्द सरस्वती के शिष्य थे। इन्होंने नैष्ठिक ब्रह्मचर्य श्री जीवन दत्त महाराज जी से , संस्कृत अध्ययन षड्दर्शनाचार्य पंडित स्वामी श्री विश्वेश्वराश्रम जी महाराज से , व्याकरण शास्त्र, दर्शन शास्त्र, भागवत, न्यायशास्त्र, वेदांत अध्ययन, श्री अचुत्मुनी जी महाराज से अध्ययन ग्रहण किया। श्री विद्या में दीक्षित होने पर धर्मसम्राट का नाम षोडशानन्द नाम भी पड़ा। सत्रह वर्ष की आयु से हिमालय गमन प्रारंभ कर अखण्ड साधना की और श्रीविद्या में दीक्षित होने पर धर्मसम्राट का नाम षोडशानन्द नाथ पड़ा। केवल 24 वर्ष की आयु में परम तपस्वी 1008 श्री स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वतीजी महाराज से विधिवत दण्ड ग्रहण कर ÷अभिनवशंकर÷ के रूप में प्राकट्य हुआ। एक सुन्दर आश्रम की संरचना कर पूर्ण रूप से सन्यासी बन कर ÷परमहंस परिव्राजकाचार्य 1008 श्री स्वामी हरिहरानंद सरस्वती श्री करपात्री जी महाराज÷ कहलाये। करपात्रीजी का अधिकांश जीवन वाराणसी में ही बीता , वे अद्वैत दर्शन के अनुयायी एवं शिक्षक भी थे। उन्होने सम्पूर्ण भारत में पैदल यात्रायें करते हुये धर्म प्रचार के लिये सन 1940 ई0 में ÷अखिल भारतीय धर्म संघ÷ की स्थापना की। धर्मसंघ का दायरा संकुचित नहीं , अत्यन्त विशाल है जो आज भी प्राणी मात्र में सुख-शांति के लिये प्रयत्नशील है। संघ की दृष्टि में समस्त जगत और उसके प्राणी सर्वेश्वर भगवान के अंश हैं या उसके ही रूप हैं। संघ का मानना है कि यदि मनुष्य स्वयं शान्त और सुखी रहना चाहता है तो औरों को भी शान्त और सुखी बनाने का प्रयत्न आवश्यक है। इसलिये धर्मसंघ के हर कार्य के आरम्भ और अन्त में ÷धर्म की जय हो , अधर्म का नाश हो , प्राणियों में सद्भावना हो , विश्व का कल्याण हो÷ ऐसे पवित्र जयकारे किये जाते हैं। इसमें अधार्मिकों के नाश के बजाय अधर्म के नाश की कामना की गयी है।

गोरक्षा आन्दोलन -इंदिरा गांधी के लिये उस समय चुनाव जीतना बहुत मुश्किल था 7 क्योंकि सबको पता था की करपात्री महाराज के पास वाक सिद्धि (किसी की भविष्यवाणी को सच करने की शक्ति) थी। इसलिये इंदिरा गाँधी ने उनकी शरण ली और उनके सामने प्रधानमंत्री बनने मंशा रखी , करपात्री जी महाराज के आशीर्वाद से इंदिरा गांधी चुनाव जीती। इंदिरा गांधी ने उनसे वादा किया था चुनाव जीतने के बाद गाय के सारे कत्ल खाने बंद हो जायेगें जो अंग्रेजों के समय से चल रहे हैं। लेकिन इंदिरा गांधी मुसलमानों और कम्यूनिस्टों के दबाव में आकर अपने वादे से मुकर गयी थी। जब तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संतों इस मांग को ठुकरा दिया जिसमें संविधान में संशोधन करके देश में गौ वंश की हत्या पर पाबन्दी लगाने की मांग की गयी थी तो संतों ने 07 नवम्बर 1966 को संसद भवन के सामने धरना शुरू कर दिया। हिन्दू पंचांग के अनुसार उस दिन विक्रमी संवत 2012 कार्तिक शुक्ल की अष्टमी थी जिसे 'गोपाष्टमी' भी कहा जाता है। इस धरने में भारत साधु-समाज, सनातन धर्म, जैन धर्म आदि सभी भारतीय धार्मिक समुदायों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस आन्दोलन में चारों शंकराचार्य तथा स्वामी करपात्री जी भी जुटे थे। पुरी के जगद्?गुरु शंकराचार्य श्री स्वामी निरंजनदेव तीर्थ तथा महात्मा रामचन्द्र वीर के आमरण अनशन ने आन्दोलन में प्राण फूंक दिये थे। लेकिन इंदिरा गांधी ने उन निहत्थे और शांत संतों पर पुलिस के द्वारा गोली चलवा दी जिससे कई संत , महात्मा और गोभक्त काल कलवित हो गये । इस हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री 'गुलजारी लाल नंदा' ने अपना त्याग पत्र दे दिया और इस कांड के लिये खुद सरकार को जिम्मेदार बताया था। लेकिन संत 'राम चन्द्र वीर' अनशन पर डटे रहे जो 166 दिनों के बाद उनकी मौत के बाद ही समाप्त हुआ था। राम चन्द्र वीर के इस अद्वितीय और इतने लम्बे अनशन ने दुनियाँ के सभी रिकार्ड तोड़ दिये है । यह दुनियाँ की पहली ?सी घटना थी जिसमे एक हिन्दू संत ने गौ माता की रक्षा के लिये 166 दिनों तक भूखे रह कर अपना बलिदान दिया था। गौ रक्षा आंदोलन में गोली चालन से व्यथित करपात्री जी महाराज ने इंदिरा गाँधी को श्राप दिया कि जिस प्रकार आपने इन संतों की हत्या की है उसी प्रकार से आपकी और आपके वंशों की भी हत्या होगी जिसका परिणाम आप सभी जानते ही हैं।

संक्षिप्त समाचार

जेन जी को जोड़ने में सबसे असरदार साबित हो रहा है कनेक्टेड टीवी

गुरुग्रामः सैमसंग ऐड्स ने कांटर के साथ मिलकर 'बियॉन्ड अवेयरनेस' नामक एक विशेष रिपोर्ट जारी की है। यह रिपोर्ट बताती है कि कनेक्टेड टीवी (सीटीवी) विज्ञापन केवल ब्रांड की पहचान को मज़बूत नहीं करते, बल्कि उपभोक्ताओं की पसंद और उनकी खरीद की इच्छा को भी प्रभावित करते हैं। यह अध्ययन किसी ओईएम कनेक्टेड टीवी ब्रांड की ओर से अपनी तरह की पहली पहल है, जो मिड-से-लोअर फ़नल यानी ब्रांड की पसंद से लेकर खरीदारी के इरादे तक के सफ़र को आंकड़ों के ज़रिए स्पष्ट करता है। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि सीटीवी विज्ञापन किस तरह उपभोक्ताओं के निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं। इस अध्ययन में विभिन्न सेक्टर्स और जनसंख्या वर्गों में सैमसंग स्मार्ट टीवी पर दिखाए गए 100 से अधिक विज्ञापन अभियानों का विश्लेषण किया गया, जिन्हें कांटर द्वारा मापा गया था। कांटर की स्वतंत्र पुष्टि के साथ, यह रिसर्च कनेक्टेड टीवी में निवेश करने वाले विज्ञापनदाताओं को पहले से कहीं ज़्यादा स्पष्टता और भरोसा प्रदान करता है। इन अभियानों का मूल्यांकन ब्रांड पसंद, संदेश की पहचान, ऑनलाइन विज्ञापन जागरूकता और खरीद की इच्छा जैसे मानकों पर किया गया। ये सभी आंकड़े यह दर्शाते हैं कि कनेक्टेड टीवी उपभोक्ताओं के वास्तविक व्यवहार को प्रभावित करने की प्रभावशाली क्षमता रखता है। इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए सैमसंग ऐड्स इंडिया की प्रमुख इनसाइट्स एंड क्लाइंट सॉल्यूशंस, भावना सैनचर ने कहा, 'बियॉन्ड अवेयरनेस' स्टडी यह स्पष्ट करती है कि कनेक्टेड टीवी अब केवल ब्रांड अवेयरनेस का माध्यम नहीं रहे। ये उपभोक्ताओं के मन में जगह बनाने, उन्हें सोचने पर मजबूर करने और ब्रांड से भावनात्मक जुड़ाव बढ़ाने के सशक्त जरिया बन चुके हैं। बड़े स्क्रीन पर ब्रांड्स को देखने से न सिर्फ दृश्यता बढ़ती है, बल्कि सकारात्मक परिणाम भी सामने आते हैं। खास बात यह है कि जेन जी जैसी डिजिटल-सेवी और निर्णय लेने में सक्षम पीढ़ी कनेक्टेड टीवी से गहराई से जुड़ रही है ङ्क जो ब्रांड्स के लिए एक बड़ा अवसर लेकर आती है। रिसर्च से यह भी सामने आया कि सैमसंग स्मार्ट टीवी पर विज्ञापन देखने वाले दर्शकों में 18 से 24 वर्ष की उम्र वाले जेन जी युवाओं ने सबसे ज़्यादा सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

सैमसंग सेमीकंडक्टर इंडिया रिसर्च ने गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कोलार

गुरुग्राम। सैमसंग सेमीकंडक्टर इंडिया रिसर्च (एसएसआईआर) ने कर्नाटक के कोलार गोल्ड फील्ड्स में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में अपना पहला सैमसंग स्किल डेवलपमेंट सेंटर शुरू किया। अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत, एसएसआईआर ने पांच आधुनिक प्रयोगशालाओं को बनवाने में मदद की है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/ मशीन लर्निंग (एआई/एमएल), साइबरसिक्योरिटी, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और कोर इंजीनियरिंग जैसे विषयों में छात्रों को व्यावहारिक तरीके से सीखने का मौका देंगी। यह पहल सैमसंग का देश के दूरदराज इलाकों में युवाओं को सशक्त बनाने और स्टूडेंट्स में इंजीनियरिंग व नई- नई तकनीकों में रुचि जगाने का प्रयास है। इन प्रयोगशालाओं में आधुनिक उपकरण हैं, जो छात्रों को उद्योग के लिए जरूरी कौशल सिखाने में मदद करेंगे। इस सहयोग से सैमसंग युवाओं को ताकत देना, शिक्षा को बेहतर करना और पूरे देश में वैज्ञानिक जिज्ञासा व नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देना चाहता है। नई शुरू की गई पांच प्रयोगशालाओं में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सुविधाएं हैं। इससे छात्रों के लिए नवाचार का एक इकोसिस्टम तैयार होगा, जिससे उन्हें अपनी शैक्षिक पाठ्यक्रम के तहत उद्योग-क्षमता वाले कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। यहां छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया जाएगा। बालाजी सोवरीरजन, ईवीपी और एमडी, एसएसआईआर, ने कहा, यह पहल ग्रामीण कर्नाटक के छात्रों को व्यावहारिक अनुभव देने का एक बड़ा कदम है। हम भारत सरकार के कौशल विकास मिशन का पूरा समर्थन करते हैं और डिजिटल अंतर को कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एआई, ओईओटी और नई तकनीकों का ज्ञान देकर हम छात्रों को सशक्त बनाना चाहते हैं, ताकि उनके लिए ढेर सारे अवसर बनें और भारत वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में आगे बढ़े। उद्घाटन समारोह में डॉ. रूपकला एम शशिधर, चेयरपर्सन, कर्नाटक स्टेट हैंडीक्राफ्ट्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन; श्रीमती मंजुश्री एन, कमिश्नर, कॉलेजिएट और तकनीकी शिक्षा विभाग; श्रीमती गीतांजलि एस, प्राचार्य, गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक केजीएफ के साथ-साथ 500 से अधिक छात्र, शिक्षक और सैमसंग व कर्नाटक सरकार के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह पहल सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत एसएसआईआर के पूर्व सहयोग पर आधारित है, जिसके माध्यम से कंपनी ने कर्नाटक सरकार के साथ साझेदारी कर 37 पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 1,000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को एआई और आईओटी प्रशिक्षण प्रदान किया।

रियलमी ने उद्योग के पहले एआई एडिट जेनी और सेगमेंट में सबसे बेहतर परफॉर्मेंस के साथ 15 सीरीज़ लॉन्च की

नई दिल्लीः रियलमी, भारतीय युवाओं के सबसेलोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड ने आज रियलमी 15 प्रो 5G और रियलमी 15 5G लॉन्च किए। ये स्मार्टफोन 'एआई पार्टी फोन' हैं, जो बेहतरीन कैमरा, एडवांस्ड एआई और शानदार परफॉरमेंस के साथ उद्योग में नया मानकस्थापित करते हैं। युवाओं की विविध जीवनशैली के अनुरूप डिज़ाइन की गई, रियलमी 15 सीरीज़ में 50MP के अल्ट्रा-क्लियर ट्रिपल कैमरे के साथ 4K 60FPS वीडियो रिकॉर्डिंग दी गई है, जिससे हर अवसर पर और हर एंगल से स्पष्टएवं क्रिस्टल-क्लियर शॉट्स मिलते हैं। इसमें दुनिया की पहली AI एडिटजिनी टेक्नोलॉजी के साथ शानदार AI इमेजिंग और खास युवाओं के लिए निर्मित एक विशेष AI पार्टी मोड भी है

50MP का ट्रिपल कैमरा, जबरदस्त परफॉरमेंस- रियलमी 15 प्रो 5G में 50MP का ट्रिपल अल्ट्रा क्लैरिटी कैमरा सिस्टमहै। 24mm के बराबर फोकल लेंथ तथा 1/1.56'' के विशाल सेंसर के साथ इसमें 50MP का फ्लैगशिप Sony IMX896 OIS मुख्य कैमरादिया गया है, जो बेजोड़ क्लैरिटी, ब्राइटनेस, और जीवंत रंगों के साथशानदार पोर्ट्रेट और बेहतरीन नाइटस्केप कैप्चर करता है। इसके अलावा, 16mm के बराबर फोकल लेंथ तथा 1/2.8'' सेंसर के 50MP अल्ट्रा-वाइडएंगल और 1/2.8'' सेंसर के 50MP फ्रंट कैमरा से शानदार ग्रुप फ़ोटो औरसेल्फी ली जा सकती हैं। यह शक्तिशाली कैमरा सिस्टम अपने सेगमेंट केसबसे उच्च स्तर की 4K 60FPS वीडियो शूटिंग को सपोर्ट करता है, ताकि युवा अपने दैनिक जीवन को खूबसूरती से रिकॉर्ड कर सकें।

रियलमी 15 5G में दो शक्तिशाली 50MP कैमरे हैं। पहला कैमरा बड़े सेंसर के साथ 50स्क्क स्थ्ठ4 ढ्रस्क्र882 ह्ढ्रस् फ्लैगशिप मुख्य कैमरा है, तथा दूसरा कैमरा 50MP OV50D फ्रंट कैमरा है। यह कैमरा सिस्टम यूज़र्स को बिल्कुल क्लियर और शानदार सेल्फी, ग्रुप फ़ोटो और कमरोशनी में भी कैप्चर करने में समर्थ बनाता है, ताकि वो हर तरह के वातावरण में और हर एंगल से शानदार इमेज कैप्चर कर सकें।

हरेली तिहार 2025 : छत्तीसगढ़ी संस्कृति का जीवंत हरेली तिहार उत्सव सरदा में धूमधाम से संपन्न

विधायक दीपेश साहू ने की भगवान बलराम की पूजा, गेड़ी चढ़कर बचपन की यादें कीं ताज़ा

मूक पत्रिका/बेमेतरा – छत्तीसगढ़ की प्रथम पारंपरिक तिहार हरेली के पावन अवसर पर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के सेवा सहकारी समिति मर्या सरदा में हरेली तिहार उत्सव कार्यक्रम का पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक दीपेश साहू रहे।

हरेली तिहार, जो छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति और कृषक जीवनशैली का प्रतीक पर्व है, को ग्रामीण परिवेश में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक साहू ने भगवान बलराम की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-शांति, समृद्धि एवं अच्छी फसल की कामना की। उन्होंने खेतों में प्रयुक्त होने वाले नांगर, कुदाल, रापा, फावड़ा, गैंती आदि पारंपरिक कृषि यंत्रों की विधिपूर्वक पूजा की और हरियाली तिहार का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण उस समय बढ़ गई जब विधायक दीपेश साहू ने गेड़ी चढ़कर बचपन की यादों को ताज़ा किया। बच्चों एवं युवाओं के साथ परंपरागत गेड़ी खेलते हुए उन्होंने हरेली की सांस्कृतिक महत्ता को हर्षपूर्वक साझा किया। उपस्थित ग्रामीणों ने इस दृश्य को खूब सराहा और उत्साहपूर्वक तालियाँ बजाकर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा की हरेली केवल किसानों का त्योहार नहीं है, यह पर्व हमारे पशुधन, प्रकृति और परंपराओं से जुड़ाव का प्रतीक है। इस दिन हम न सिर्फ कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं, बल्कि गायों और मवेशियों की भी सेवा कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। हरेली का पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व का संदेश देता है।卐 उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपनी परंपराओं से जुड़ें, पशुधन की देखभाल करें और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाएं।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण – कार्यक्रम के अंत में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सोसायटी परिसर मे वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।यह अभियान केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हरा-भरा कल सुनिश्चित करने की दिशा में एक सामाजिक संकल्प है। मैं सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि वे कम से कम एक पेड़ अपनी माँ या मातृ स्वरूपा महिला के नाम जरूर लगाएं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से किशन साहू विधायक प्रतिनिधी,लखन लाल साहू सोसायटी अध्यश सरदा, लेखराम साहू प्रबंधक, सुरित साहू ,डां एक के. पाल, मडल अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा, लालु साहू जनपद सदस्य, पंकज साहू , लेखराम साहू ,रोहित साहू, जगदेव साहू सरपंच बावानलाख, सरजू साहु सरपंच भान्ड, जगेश्वर साहू संरपंच सिगदेहि, रंजीता साहू सरपंच भटगांव , चमन साहू , फणेश साहू ,कमल साहू मितान गण, चुन्नु साहू , धन्ना साहेब, हिन्छाबाई, घनाराम साहू नोहर सिँह, नारद यादव, प्रभुराम, हरयू, केनुराम, भवहरण शिवकुमार, टेकराम पुरेना सरपंच, अतरगढी,तामेश्वर साहू,दिलीप साहू,पीयूस साहु ,महेन्द्र साहु, राजू साहू राज कुमार साहू, जगन्नाथ साहू, करण साहू ,रेवा राम निषाद सहित जनप्रतिनिधिगण ग्रामवासी क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

छात्र संघ की गठन, शुभांशु बना शाला नायक - घुरावड़

मूक पत्रिका/ धमतरी – शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक माध्यमिक विद्यालय घुरावड़ में छात्र संघ का गठन चुनाव के माध्यम से सम्पन्न हुआ। प्राचार्य डी के बेनर्जी के नेतृत्व में छात्र संघ प्रभारी अजीत कश्यप ने चुनाव प्रक्रिया पूरी कराई।

शाला नायक पद के लिए एक ही उम्मीद्वार थे, कक्षा 12वी कला संकाय की छात्र शुभांशु नेताम शाला नायक बना। उप शाला नायक नितेश्वर मरकाम बने। अनुशासन सचिव अखिलेश कोर्राम, क्रीड़ा सचिव रुद्र प्रताप सांस्कृतिक सचिव अंजिता मंडावी, छात्रा प्रतिनिधि खुशबू नेताम, स्वच्छता सचिव डोमेंन्द्र मरकाम, स्वास्थ्य सचिव मुरारी सरोज, सचिव नरोत्तम नेताम, स्काउट सचिव मुक्तानंद सरोज, बागवानी सचिव मेघा नेताम, विज्ञान क्लब लिलेश्वरी निर्मलकर, रेडक्रास सचिव रजनी नेताम बनी।

प्राचार्य डी के बेनर्जी ने सभी विजयी प्रतिनिधियों को बधाई दी एवं शपथ दिलाया कहा की सभी छात्र प्रतिनिधि शाला को अनुशासित और स्वच्छ बनाए रखें शाला की सभी गतिविधियों में सहयोग करें इस अवसर पर व्याख्याता पीके साहू, सी एच साहू, के के सुरोजिया, गायत्री सेवता, खोमन सहारे, गौरव गुप्ता, लिखेंद्र साहू, लक्ष्मण पाठक, खुमान साहू, अजय साहू, आशीष यदु, बसंत ध्रुव, खेलन जांगड़े, बिरन्ति सोरी, नीलगमन सोरी ने बधाई दी।

शाकम्भरी बोर्ड के पदाधिकारी बनेंगे समाज व शासन के बिच की कड़ी, बोर्ड का विस्तार जल्द करे सरकार - रितेश पटेल

शाकंभरी बोर्ड की सुची जल्द जारी करने मांग को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ प्रदेश (को.) मरार पटेल समाज

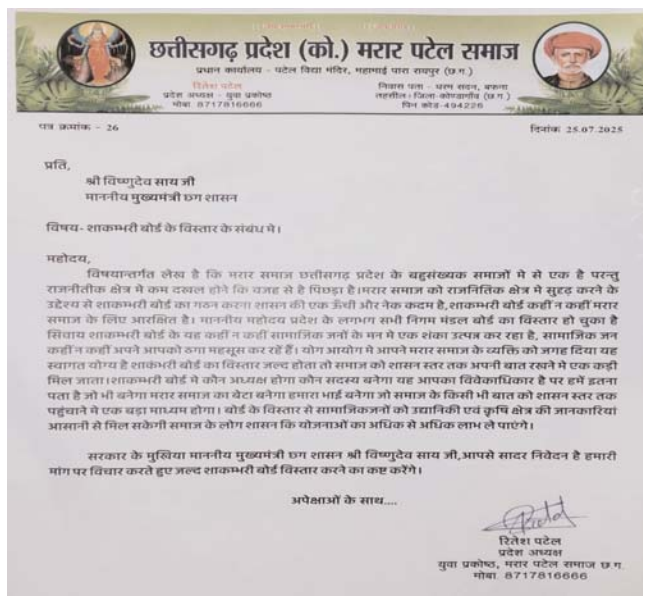

प्रधान कार्यालय - पटेल विद्या मंदिर, महामाई पारा रायपुर (छ.ग.)

पत्र क्रमांक - 26

दिनांक 25.07.2025

प्रति,

श्री विष्णुदेव साय जी
माननीय मुख्यमंत्री छग शासन

विषय- शाकम्भरी बोर्ड के विस्तार के संबंध मे।

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि मरार समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश के बहुसंख्यक समाजों मे से एक है परन्तु राजनीतीक क्षेत्र मे कम दखल होने कि वजह से है पिछड़ा है।मरार समाज को राजनितिक क्षेत्र मे सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शाकम्भरी बोर्ड का गठन करना शासन की एक ऊँची और नेक कदम है,शाकम्भरी बोर्ड कहीं न कहीं मरार समाज के लिए आरक्षित है। माननीय महोदय प्रदेश के लगभग सभी निगम मंडल बोर्ड का विस्तार हो चुका है सिवाय शाकम्भरी बोर्ड के यह कहीं न कहीं सामाजिक जनों के मन मे एक शंका उत्पन्न कर रहा है, सामाजिक जन कहीं न कहीं अपने आपको ठगा महसूस कर रहें हैं। योग आयोग मे आपने मरार समाज के व्यक्ति को जगह दिया यह स्वागत योग्य है शाकंभरी बोर्ड का विस्तार जल्द होता तो समाज को शासन स्तर तक अपनी बात रखने मे एक कड़ी मिल जाता।शाकम्भरी बोर्ड मे कौन अध्यक्ष होगा कौन सदस्य बनेगा यह आपका विवेकाधिकार है पर हमें इतना पता है जो भी बनेगा मरार समाज का बेटा बनेगा हमारा भाई बनेगा जो समाज के किसी भी बात को शासन स्तर तक पहुंचाने मे एक बड़ा माध्यम होगा। बोर्ड के विस्तार से सामाजिकजनों को उद्यानिकी एवं कृषि क्षेत्र की जानकारियां आसानी से मिल सकेगी समाज के लोग शासन कि योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ले पाएंगे।

सरकार के मुखिया माननीय मुख्यमंत्री छग शासन श्री विष्णुदेव साय जी,आपसे सादर निवेदन है हमारी मांग पर विचार करते हुए जल्द शाकम्भरी बोर्ड विस्तार करने का कष्ट करेंगे।

अपेक्षाओं के साथ....

रितेश पटेल
प्रदेश अध्यक्ष
युवा प्रकोष्ठ, मरार पटेल समाज छ.ग
मोबा. 8717816666

मूक पत्रिका/कोंडागांव – मरार पटेल समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष रितेश पटेल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को एक पत्र लिखा है जिसमे उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को सम्बोधित करते कहा की सरकार बने दो साल पुरे होने को है डेढ़ साल से ऊपर हो गया है सभी विभाग बोर्ड निगम मंडल की सूची जारी हो गयी है सिवाय शाकम्भरी बोर्ड के। मरार समाज को राजनीतीक रूप से सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सरकार ने शाकंभरी बोर्ड का गठन किया है यह शासन की एक बहुत ही ऊँची और नेक विचार है परन्तु आज दिनांक तक हमारे बोर्ड मे अध्यक्ष सह सदस्यों की नियुक्ति न होना कहीं न कहीं संदेह को जन्म देता है सामाजिक जनों के साथ साथ आम जनमानस मे भी यह चर्चा का विषय है,आखिर इतने देरी के पीछे क्या कारण है। शाकम्भरी बोर्ड के विस्तार होने से एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य बनेंगे जो कहीं न कहीं सत्ता और समाज के बिच की कड़ी बनेंगे समाज को जो बात सरकार तक पहुंचानी है वे सशक्त माध्यम बनेंगे,सामाजिक जनों का राजनितिक विकास होगा उद्यानिकी एवं कृषि विभाग से जुडी जानकारियां सामाजिक जनों को सरलता से मिल पायेगी जिसका लाभ सामाजिक जनों को मिलेगा, सामाजिक जनों का राजनितिक क्षेत्र मे लगाव बढ़ेगा। मरार समाज छत्तीसगढ़ प्रदेश के बहुसंख्यक समाज मे से एक है, योग आयोग मे मरार समाज को स्थान देना स्वागत योग्य कदम है शाकम्भरी बोर्ड की सूची भी जल्द जारी करेंगे ऐसा उम्मीद समाज रखता है। पटेल ने आगे कहा की किसे अध्यक्ष बनाएंगे किसे सदस्य बनाएंगे यह आपका विवेकाधिकार है पर हमें इतना पता है जो भी बनेगा मरार समाज का बेटा बनेगा हमारा भाई बनेगा।बोर्ड के विस्तार से अध्यक्ष सदस्यों की नियुक्ति से मेरा समाज पुनः राजनीतिक तौर पर अपने आपको सुदृढ़ समझेगा समाज मे एक नई ऊर्जा का संचार होगा सामाजिक जन राजनीती के क्षेत्र मे रूचि के साथ आगे आएंगे। सभी निगम मंडल बोर्ड की सूची को जारी हुए लगभग 6 महीने से ऊपर हो गए शाकंभरी बोर्ड की सूची बस अटक गयी है इससे समाज कहीं न कहीं अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहा है सरकार से निवेदन है जल्द सूची जारी करेंगे।

शिकायतकर्ता ने शपथ पत्र देकर कहा कि मेरे नाम से एसडीएम कुसमी के विरुद्ध की गई हैं फर्जी

कुसमी – कुसमी एसडीएम करुण डहरिया एवं कुसमी निवासी कुंदन गुप्ता और संजय गुप्ता पर लकड़ी ट्रक छोड़ने के एवज में 6 लाख 30 हज़ार रुपए की अवैध वसूली का आरोप लगाते हुए राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर, पुलिस महानिदेशक रायपुर व पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज अंबिकापुर को ज्ञापन सौंपकर एसडीएम और उनके सहयोगियों पर कार्रवाई की मांग का फर्जी ज्ञापन पत्र शिकायतकर्ता कृष्णा गुप्ता के नाम से प्रेषित किया गया था फर्जी शिकायत की जानकारी लगते ही कृष्णा गुप्ता ने शपथ पत्र देकर अवगत कराया हैं कि में वाहन क्रमांक ह्ळ14 ।।5369 का पंजीकृत स्वामी हूं। उक्त वाहन का प्रयोग निवासी डालटेनगंज के कहने पर जलाऊ लकड़ी लाने के लिये उक्त वाहन तहसील सामरी जिला बलरामपुर- रामानुजगंज गई थी। किन्तु जलाऊ लकडी विक्रेता के पास वृक्ष कटाई की वैध अनुमति नहीं होने के कारण 1,00,000.00 (एक

लाख) का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया था अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि जमा करने के बाद उक्त वाहन को विमुक्त किया गया अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि जमा करने के लिये मेरे पास नगद राशि उपलब्ध नहीं थी तब मैंने कुसमी के स्थानीय परिचितों के सहयोग से 1,40,000.00 (एक लाख चालीस हजार) रुपये आर.के. फ्यूल्स कुसमी से प्राप्त किया। तत्पश्चात् उक्त राशि को मैने अपने और अपने परिचित के फोन पे/ इन्टरनेट बैंकिंग से वापस किया गया हैं उक्त राशि मैंने जलाऊ लकड़ी विक्रेता आरिफ अंसारी पिता रफिक्र अंसारी को अर्थदण्ड हेतु प्रदान किया था किंतु मुझे आज ही कुसमी के परिचितों से जानकारी प्राप्त हुई कि उक्त विषय पर मेरे नाम से झुठा और निराधार शिकायत पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं अन्य कार्यालयों में किया गया हैं ऐसे शिकायतों को नस्तीबद्ध किया जावे ! शासन एवं जिला प्रशासन के निर्देशों के अनुरूप भू अभिलेखों में कूटरचना व छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार कड़ी कार्यवाही जारी रहेगी। पूर्व में भी मेरे विरुद्ध कई झूठी शिकायतें की जाती रही है जो वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जांच किए जाने पर निराधार पाई गई है। छवि धूमिल करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही प्रारंभ की जा रही हैं!

China Open Badminton:

चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय को मिली हार

चांग्झू, एजेंसी। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21-18, 15-21, 8-21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21-19, 21-19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8-6 और बाद में 14-12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14-16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19-16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14-10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

दिव्या एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में चल रहे एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। दिव्या इस टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह जीत उनकी लगातार तीसरी ऐसी जीत है, जिसमें उन्होंने एक ग्रैंडमास्टर को मात दी। इस जीत के साथ ही दिव्या ने अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया और 2026 एफआईडीई महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। वहीं, कोनेरू हम्पी का फैसला आज टाई-ब्रेकर मैच (रैपिड/ब्लिट्ज) से होगा। चीनी खिलाड़ी टिंगजी लेई के खिलाफ दोनों गेम ड्रॉ रहा।

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन तान झोंग्यी को सेमीफाइनल मुकाबले में 1.5-0.5 के अंतर से हराया। 19 साल की दिव्या ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 101 चाल में मात दी। दूसरे गेम में उन्हें सफेद मोहरों से खेलने का फायदा मिला। उन्होंने बीच के खेल में लगातार दबाव बनाया और तान झोंग्यी को गलतियां करने पर मजबूर कर दिया।

व्हाइट (दिव्या) क्वीन की अदला-बदली के साथ जीत की स्थिति में थी, लेकिन क्वीन को बोर्ड पर रखने से भी उनकी स्थिति बहुत मजबूत थी।इसके बाद झोंग्यी ने वापसी की और बढ़त ले ली। समय की कमी में झोंग्यी ने गलत चाल चली, जिसके बाद दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ आगे हो गई। आखिरी गेम में झोंग्यी के पास ड्रॉ के कई मौके थे, लेकिन वह इन्हें भुना नहीं सकीं।

पहला गेम रहा था ड्रॉ

पहले गेम में दिव्या ने काले मोहरों से खेला था। यह गेम ड्रॉ रहा था। दिव्या ने पहले गेम के शुरुआत में ही खेल को संतुलित करने की रणनीति अपनाई। झोंगयी ने 'क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड' ओपनिंग से खेल की शुरुआत की, जिसमें दिव्या ने लगातार मोहरे बदलते हुए संतुलन बनाए रखा। झोंगयी भी इस स्थिति से संतुष्ट दिखीं, जहां ब्लैक को थोड़ी सक्रियता मिली थी।

मैनचेस्टर टेस्ट-

भारत 5 विकेट पर 300 पार

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले का दूसरा दिन है और पहले सेशन का खेल जारी है।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 302 रन बना लिए हैं। शार्दूल ठाकुर (35 रन) और वॉशिंगटन सुंदर (4 रन) क्रीज पर मौजूद हैं। रवींद्र जडेजा 20 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया।

भारतीय टीम ने 264/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। बुधवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत की ओर से साई सुदर्शन (61 रन) और ओपनर यशस्वी जायसवाल (58 रन) ने अर्धशतक बनाए। केएल राहुल ने 46 और ऋषभ पंत ने 37 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 12 रन ही बना सके।

बीसीसीआई ने गुरुवार को ऋषभ पंत की चोट पर अपडेट दिया है। बोर्ड ने एक्स पोस्ट पर लिखा- मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन दाहिने पैर में चोट लगने के बाद ऋषभ पंत बचे मैच में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। चोट के बावजूद ऋषभ पंत दूसरे दिन टीम में शामिल हो गए हैं। वे टीम की जरूरत के अनुसार बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

95वें ओवर में भारतीय टीम ने 300 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। वॉशिंगटन सुंदर ने जोफ्रा आर्चर की पहली बॉल पर चौका लगाकर टीम स्कोर 300 पार पहुंचाया।

दोनों टीमें

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अंशुल कम्बोज।

डीसी ओपन टेनिस:

फ्रिट्ज ने डीसी ओपन के तीसरे दौर में बनाई जगह

वीनस विलियम्स युगल में बाहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7-5, 7-5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7-5, 7-6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6-4, 3-6, 10-6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप

वेन्नाला कलागोटला और तन्वी शर्मा ने भारत को दिलाई शानदार शुरुआत

सोलो (इंडोनेशिया), एजेंसी। बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार शुरुआत की है। महिला एकल वर्ग में वेन्नला कालागोटला और तन्वी शर्मा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारतीय अभियान को मजबूत बढ़त दिलाई। वेन्नला कालागोटला ने अलिसा कूलेशोवा को सिर्फ 15 मिनट में 21-6, 21-10 से शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया की औबर्टा जर्लिना को 21-18, 21-16 से हराकर गुरुवार को होने वाले राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने यूएई की वैदेही कालिदासन को आसानी से 21-6, 21-6 से हराया, जबकि तन्वी रेड्डी ने चिओक इयान उंग को 21-9, 21-10 से पराजित किया। पुरुष एकल में, प्रणव राम नागलिंगम ने म्यांमार के लाल जुइदिका को 21-15, 21-7 से हराया। अंश नेगी ने डिंग हान जिन को 21-16, 21-15 से शिकस्त दी। वहीं, हमर लालथाजुआला और रौनक चौहान ने सीधे गेमों में जीत हासिल की। युगल में, कलागोटला-रेशिका उथयासूरियन ने वियतनाम की गुयेन वु न्गोक ट्रान-फाम थी ट्रुक एन को 21-16, 21-14 से हराया, जबकि गायत्री-मनसा रावत ने एंड्रिया हर्नांडेज-मैरी उनताल को 21-17, 21-18 से शिकस्त दी। विष्णु कोडे-कीर्ति मंचला ने मिश्रित युगल में 22-20, 16-21, 21-19 से जीत हासिल की। इस बीच, रुजुला रामू और सी लालरामसांगा-तारिणी सूरी जूनियर शटलरों के शीर्ष टूर्नामेंट से जल्दी ही बाहर हो गए। इससे पहले, भारत की जूनियर बैडमिंटन टीम ने बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 110-104 से हारने से पहले कड़ी टक्कर दी। रिले स्कोरिंग सिस्टम के तहत एक करीबी मुकाबले में, भारत ने शुरुआती मैच में 11-9 से मिली मामूली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई।

सितंबर में खेला जाएगा 2025 एशिया कप

वेन्यू का हो गया खुलासा ! भारत-पाक मैच पर भी आया अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर आखिरकार अच्छी खबर सामने आई है. अब तक संशय की स्थिति बनी हुई थी कि इस साल एशिया कप का आयोजन होगा भी या नहीं. अब मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार एशिया कप 2025 की मेजबानी दुबई, अबू धाबी करने वाला है. यह टूर्नामेंट 5 सितंबर-21 सितंबर तक खेला जाएगा. एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने पर भी कुछ स्पष्ट नहीं था, लेकिन ताजा अपडेट अनुसार इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान समेत कुल 8 टीम भाग लेने वाली हैं.

अभी तक बीसीसीबाई, एसीसी और आईसीसी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी नहीं किया है, लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया अनुसार भारतीय टीम भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली है. टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के नाम भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान, यूएई और हॉन्ग कॉन्ग होंगे. एशिया कप का आयोजन आखिरी बार 2023 में ओडीआई फॉर्मेट में खेला गया था, जिसके फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा था. अभी तक यह साफ नहीं है कि एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच होगा या नहीं, क्योंकि अभी तक पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है. बता दें कि फिलहाल इंग्लैंड में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में भी भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने वाला था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से इनकार कर दिया था. ऐसे में आयोजकों को इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस मैच को रद्द करना पड़ा था. पिछले संस्करण से उलट एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. यह पहली बार होगा जब किसी एशिया कप टूर्नामेंट में कुल 8 टीम भाग ले रही होंगी. इस बार एशिया कप में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ी नहीं खेलेंगे, क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

वैभव को पछाड़ आयुष म्हात्रे ने रचा इतिहास, इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन ठोक कर बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड के खिलाफ यूथ टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 206 रन जड़ डाले और एक नहीं बल्कि कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने न केवल छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा, बल्कि भारतीय अंडर-19 टेस्ट इतिहास में बतौर कप्तान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

वैभव से 2 छक्के ज्यादा लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड - जहां वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों के लिए पहचाने जाते हैं, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर और कप्तान आयुष म्हात्रे अब उनसे 2 छक्के ज्यादा लगाकर आगे निकल चुके हैं. इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दो यूथ टेस्ट मैचों की सीरीज में आयुष ने कुल 9 गगनचुंबी छक्के लगाए, जबकि वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 छक्के लगाए थे.

सौरभ तिवारी का रिकॉर्ड भी टूटा - इससे पहले 2007-08 में सौरभ तिवारी ने यूथ टेस्ट सीरीज में 8 छक्के लगाए थे. इस बार आयुष ने उस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया और एक सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय अंडर-19 खिलाड़ी बन गए हैं. इनमें से 6 छक्के उन्होंने एक ही पारी में लगाए, जो अपने आप में एक दमदार प्रदर्शन रहा.

कप्तान ने ठोके 206 रन - दूसरे यूथ टेस्ट में आयुष ने पहली पारी में 80 रन, और दूसरी पारी में 126 रन की शानदार पारी खेली. कुल मिलाकर उन्होंने मैच में 206 रन बनाए और बतौर कप्तान अंडर-19 टेस्ट में 200+ रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड तन्मय श्रीवास्तव ने हासिल किया था, जिन्होंने 2006 में एक यूथ टेस्ट में 199 रनों की शानदार पारी खेली थी.

रेड बॉल में वैभव से भी आगे निकले आयुष - वैभव सूर्यवंशी की ताकत जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट में मानी जाती है, वहीं आयुष म्हात्रे ने साबित कर दिया कि रेड बॉल क्रिकेट के राजा वो हैं. इंग्लैंड के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी न सिर्फ दमदार रही, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत भी दे गई ।

भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की हुई सफल सर्जरी, LSG फ्रेंचाइजी ने उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की सफल सर्जरी हुई, जिसकी जानकारी लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी. वह इंडियन प्रीमियर लीग में इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, जिसके कप्तान ऋषभ पंत हैं. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश की सर्जरी और रिहैब का पूरा खर्चा लखनऊ फ्रेंचाइजी ही उठाएगी. तेज गेंदबाज आवेश खान को आईपीएल 2025 से पहले भी घुटने में चोट लगी थी, हालांकि वह इससे रिकवर हो गए थे और बीसीसीआई ने उन्हें टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी थी. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में चोट से जूझ रहे थे.

- **आवेश खान की घुटने की सर्जरी हुई** - रिपोर्ट के अनुसार आवेश खान और मोहसिन खान की घुटने की सर्जरी मुंबई के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला द्वारा की गई. आवेश के दाएं पैर के घुटने की सर्जरी 17 जून को हुई. इसी रिपोर्ट में बताया गया कि आवेश खान, मोहसिन खान और मयंक यादव रणजी ट्रॉफी के पहले हाफ से बाहर हो सकते हैं, इन तीनों के टूर्नामेंट के सेकंड हाफ में खेलने की उम्मीद है. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश खान की सर्जरी का पूरा खर्चा लखनऊ सुपर जायंट्स ने उठाया. रिहैब का खर्चा भी टीम ही कर रही है. उम्मीद है कि वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

इंग्लैंड और स्पेन में महिला यूरो कप 2025 की फाइनल जंग

सिर्फ एक गोल से इतिहास रच गई ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला यूरो कप 2025 के ब्लॉकबस्टर मैच का इंतजार अब खत्म हो गया है। खिताबी भिड़ंत के लिए दो टीमें तय हो चुकी है। यूरो कप फाइनल मुकाबला रविवार, 27 जुलाई को स्विट्जरलैंड के बासेल में होगा। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। ऐसे में अब इन दोनों की टक्कर खिताबी भिड़ंत के लिए होगी। सेमीफाइनल में स्पेन की टीम ने रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की। जर्मनी के खिलाफ टीम ने एक मात्र गोल अतिरिक्त समय में किया। स्पेन के लिए यह गोल ऐताना बोनमाटी ने किया जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में भर्ती थी। वहीं इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में इटली को 2-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। बता दें कि लायनेसेस के नाम से मशहूर इंग्लैंड की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी शानदार डिफेंस और खतरनाक आक्रमण से विरोधियों की हालत खराब करके रखी है। कप्तान लिया विलियमसन के नेतृत्व में अब टीम की कोशिश होगी कि वह लगातार दूसरे खिताब को अपने नाम करें। इंग्लैंड के लिए पूरे टूर्नामेंट में फॉरवर्ड बेथ मीड और एला टूने ने जीत के लिए अपना दम लगाया है। इसके अलावा गोलकीपर मैरी अर्प्स की चपलता से इंग्लैंड ने महत्वपूर्ण बचाव किए।

पहली बार यूरो कप के फाइनल में पहुंची है स्पेन - दूसरी ओर स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। स्पेन को ये जीत अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मिली है। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

''पहल'' बदलाव की शुरुआत सुरक्षा और संस्कार के साथ शिक्षक-शिक्षार्थी कार्यशाला आयोजित

सफलता के लिए लक्ष्य, समर्पण और अनुशासन जरूरी - कलेक्टर

कड़ी मेहनत और लगन से अपने भविष्य को संवारें विद्यार्थी - एसपी

मुंगेली/मूक पत्रिका

बच्चों के चरित्र निर्माण, नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मुंगेली पुलिस द्वारा एक अभिनव पहल की शुरुआत की गई। पहल शिक्षक-शिक्षार्थी कार्यशाला के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जिम्मेदार, अनुशासित और जागरूक नागरिक बनाना है। यह आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल दाउपारा में सम्पन्न हुआ, जहां 23 स्कूलों के कक्षा 09वीं और 11वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में स्वामी आत्मानंद स्कूल और कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़-नाटक में नशे की लत से होने वाली पारिवारिक कलह को दिखाते हुए समाज को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बच्चों को जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और समर्पण की अहमियत बताते हुए कहा, कि पढ़ाई में डर, ज़िद और जुनून होना सफलता की कुंजी है। ''रील से दूर रहिए और रियल लाइफ में जीना शुरू कीजिए।'' उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग पर बल देते हुए अपने यूपीएससी का अनुभव साझा किए और बताया कि उन्होंने इंटरनेट का उपयोग केवल ज्ञानवर्धन के लिए किया। कलेक्टर ने उदाहरण के रूप में जिले के अर्पण जैन का उल्लेख किया, जिन्होंने हाल ही में यूपीएससी में 323 अंक अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ऐसी सफलता के लिए लक्ष्य, समर्पण और अनुशासन जरूरी है। उन्होंने बच्चों को सजग, जिम्मेदार और अनुशासित रहकर समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि ''पहल'' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को चयनित कर उन्हें साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति और अनुशासन के महत्व से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मोबाइल के दुरुपयोग और गलत संगत से बचना चाहिए तथा कड़ी मेहनत और लगन से अपने भविष्य को संवारना चाहिए। उन्होंने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को स्कूल का प्रतिनिधि बनाकर अनुशासन, स्वच्छता और नैतिक मूल्यों के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह अनुभव उनके सम्पूर्ण जीवन में उपयोगी सिद्ध होगा। इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को विद्यार्थियों ने रक्षासूत्र भी बांधा। कार्यशाला के समापन में छात्राओं की सृजनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक समझ को सराहते हुए कलेक्टर एवं एसपी ने प्रेरणा स्वरूप पेन भेंट कर सम्मानित किया। बता दें कि ''पहल'' केवल नशा विरोधी अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक नवजागरण की शुरुआत है। इसका उद्देश्य छात्रों को सशक्त बनाकर उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, आत्मनिर्भरता और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित करना है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के समन्वय से संचालित यह कार्यक्रम आने वाले समय में हजारों विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष रवि भगत ने खोली सुशासन की पोल

डीएमएफफंड की बंदरबांट और कॉरपोरेट लूट से भाजपाई भी आहत

रायपुर/मूक पत्रिका

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के सोशल मीडिया पर गाना गाकर अपनी ही सरकार से विकास मांगने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि रीढ़ विहीन भाजपाइयों के लिए रवि ने प्रतिमान स्थापित किया है, सुशासन के तमाम दावों की पोल खुल चुकी है। गाने में एक छत्तीसगढ़िया और आम आदिवासी युवा की पीड़ा स्पष्ट तौर पर प्रदर्शित है। पूरे प्रदेश में डीएमएफ फंड की बंदरबाट हो रही है, खनन और उद्योग प्रभावित क्षेत्र के लोगों का हक मार कर कमीशन खोरी के लालच में डीएमएफ और सीएसआर फंड की राशि फूंकी जा रही है। पांचवी अनुसूची के क्षेत्र सरगुजा और बस्तर में ग्राम सभा के अधिकारों को बाईपास करके खनिज संसाधन मोदी के पूंजीपति मित्रों को लुटाया जा रहा है, रिमोट से सरकार संचालित है, सरकार आखिर चला कौन रहा है, इस बात से भाजपा के नेता भी अनभिज्ञ है। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तक की हालत यह है की शिकायत और मांग कहां रखनी है, वे समझ नहीं पा रहे हैं, कहीं किसी की कोई सुनवाई नहीं है, इसलिए कॉरपोरेट लूट से आहत भाजपाई सोशल मीडिया पर आकर कलपने मजबूर हैं।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि बृजमोहन अग्रवाल जैसे भाजपा के वरिष्ठ नेता को पिछले 6 महीने के दौरान 7 पत्र प्रदेश सरकार को लिखना पड़ा, लेकिन किसी मामले में अब तक उनकी भी कोई सुनवाई नहीं हुई। भाजपा के जनाधार वाले नेता ही इस सरकार की उपेक्षा से व्यथित हैं। मोदी की गारंटी के नाम पर छत्तीसगढ़ में भाजपा ने हर वर्ग के साथ धोखा किया है। किसान, युवा, मजदूर, कर्मचारी-अधिकारी और महिलाएं नाराज हैं ही, इसके साथ ही भाजपा के कार्यकर्ता भी खुश नहीं है। पहले भी भाजयुमें के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने लैलूंगा और धरमजयगढ़ विधानसभा क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए लिखा था कि क्या लैलूंगा और धरमजयगढ़ विधानसभा की जनता खराब सड़कों के कारण रोड एक्सीडेंट से बे मौत मरे? क्या यही चाहती है कि प्रदेश की जनता धूल खायें? जमीन देकर बेघर हो जाए? डीएमएफ और सीएसआर के नियम चूल्हे में जाए? इन मदों का सारा पैसा ओपी केवल रायगढ़ में खर्च करें?प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर ने भी कहा है कि भाजपा सरकार में न उनके कार्यकर्ता और नेता ना खुश हैं, ना छत्तीसगढ़ में सरकार नाम की कोई चीज काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार सहित तमाम जनहित के विषय गौड हो गए है, सरकारी स्कूल हजारों की संख्या में बंद कर दिए गये है, तमाम कर्मचारी संघ आंदोलन पर है, सड़कों के गड्ढे भरने की स्थिति में यह सरकार नहीं है, किसान खाद, बीज संकट से परेशान है और यह सरकार केवल छत्तीसगढ़ के संसाधनों को लूटने जंगलों की कटाई करने में व्यस्त है। डेढ़ साल के भीतर ही यह सरकार अपने ही कार्यकर्ताओं के बीच बेहद अलोकप्रिय हो चुकी है।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को, अभ्यर्थियों के लिए दिशा-निर्देश जारी

मुंगेली/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) रायपुर द्वारा आबकारी आरक्षक के पदों पर भर्ती के लिए प्रवेश परीक्षा 27 जुलाई को प्रातः 11 से दोपहर 01.15 बजे तक आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने परीक्षा के सफल आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अभ्यर्थियों को व्यापम द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की समझाईश दी है। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल एवं अतिरिक्त कलेक्टर निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से परीक्षा के नोडल अधिकारी, पुलिस अधिकारी, तहसीलदार, एसडीओपी सहित संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के सफल आयोजन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

जिले के 12 केन्द्रों में होगी आयोजित, 04 हजार 300 से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल-

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षाओं के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सफलतापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किया गया है। आबकारी आरक्षक परीक्षा जिले के 12 केन्द्रों में आयोजित होगी। परीक्षा में जिले के 04 हजार 343 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के पूर्व सभी परीक्षार्थियों की हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच के साथ ही हाथों से तलाशी ली जाएगी, जिसके लिए परीक्षार्थियों को कम से कम दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य होगा।

मौत को दावत देते सुखे पेड़! कब जागेगा वन विभाग?

बस्तर मार्ग पर खड़ी है मौत बस्तर की जनता पूछ रही है: जवाबदेही किसकी?

जगदलपुर (बस्तर)/मूक पत्रिका

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे, आसना से बकावंड जाने वाली सड़क, आसना बादल अकेडमी के पास , लामनी सड़क पर दर्जनों जगहों पर खतरनाक स्थिति में खड़े हैं मृतक सुखे पेड़, जो कभी भी किसी की जान ले सकते हैं। तेज़ हवा या हल्की बारिश भी इन पेड़ों को ज़मीन पर गिरा सकती है – लेकिन वन विभाग और प्रशासन अब तक गहरी नींद में हैं।

बस्तर की जनता का कहना है कि ये पेड़ सिर्फ सूखे नहीं हैं, बल्कि ज़िंदा लोगों के लिए चलते-फिरते खतरे बन चुके हैं। राह चलते अगर किसी वाहन, बाइक सवार, या पैदल यात्री के ऊपर पेड़ गिरता है, तो क्या वन विभाग इसकी ज़िम्मेदारी लेगा? या फिर हमेशा की तरह हादसे के बाद फाइलों में दबी रिपोर्टें और बयानों का ढकोसला चलेगा?

जनता का सीधा सवाल ङ्क

÷कब हटेंगे ये मौत के संकेत?÷

क्या वन विभाग किसी बड़ी जान-माल की क्षति का इंतज़ार कर रहा है?

क्या मौत आने के बाद ही कार्रवाई होगी?

बस्तर की जनता की तीन प्रमुख माँगें:

1?? इन मृतक पेड़ों की तुरंत पहचान कर कटाई की जाए।

2?? वन विभाग और लोक निर्माण विभाग संयुक्त कार्रवाई करें।

3?? ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण और निगरानी की व्यवस्था की जाए

यह केवल लापरवाही नहीं, एक प्रशासनिक अपराध है

अगर आज एक सुखा पेड़ किसी मासूम पर गिरता है और उसकी जान जाती है, तो यह ÷दुर्घटना÷ नहीं बल्कि वन विभाग और प्रशासन की घोर नाकामी होगी।

बस्तर की जनता की चेतावनी:

÷अब अगर कोई हादसा हुआ ङ्क

तो हम चुप नहीं बैठेंगे।

न सिर्फ सवाल पूछेंगे, बल्कि जिम्मेदारों को सड़कों पर घसीट कर जवाबदारी तय करवाएंगे।

सबसे बड़ा सवाल ङ्क क्या वन विभाग देगा मुआवज़ा?

÷वन मंडल के अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण इन जानलेवा सुखे पेड़ों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।÷

बस्तर की जनता पूछ रही है ङ्क यदि किसी की जान या संपत्ति को नुकसान होता है, तो क्या वन विभाग मुआवजा देगा?

या फिर पीड़ित परिवारों को भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने पर मजबूर होना पड़ेगा?

शासन-प्रशासन से खुली अपीलः

अब समय आ गया है कि नींद से जागिए और अपनी जिम्मेदारी निभाइए।

वरना जनता की आवाज़ इस बार सिर्फ दरवाज़े पर नहीं, बल्कि गेट तोड़कर सवाल करने आएगी।

जन शिक्षण संस्थान दंतेवाड़ा द्वारा किया गया युवा कौशल दिवस एवं स्वच्छता कार्यक्रम

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

कौशल विकास एवीएन उद्यमिता मंत्रालय विभाग भारत सरकार द्वारा दिनांक 14 जुलाई से 31 जुलाई तक कौशल युवा दिवस चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत सियानार सब सेंटर में पंचायत प्रांगण में स्वच्छता कार्यक्रम स्वच्छता प्रतिज्ञा के साथ-साथ विभिन्न कार्यक्रम जैसे महिलाओं द्वारा अपने कौशल का प्रदर्शन किया अलग-अलग प्रकार के डिजाइन के फ्रॉक निर्माण, दुल्हन सजाओ, प्रतियोगिता, रंगोली, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता, जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान जन शिक्षण संस्थान की निदेशक श्रीमती कामिनी पटनायक, कुमारी तुलावती नाग रवींद्र भूपेंडी, सियाना पंचायत की सरपंच श्रीमती शर्मिला भास्कर, कमलेश गोटामे, प्रशिक्षक श्रीमती कांति गोटामें, श्रीमती गोदावरी देहरी, यशवन्त पटेल, प्रशिक्षक श्रीमती रानी राठौड़ ने कार्यक्रम में अपना विशेष योगदान दिया।

जनपद सदस्य पवन कर्मा ने फ़रसपाल में बालक,बालिका छात्रावास का किया निरीक्षण

दंतेवाड़ा/मूक पत्रिका

जिले के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत फ़रसपाल में आज अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान जनपद सदस्य पवन कर्मा फ़रसपाल में बालक एवं बालिका छात्रावास में निरीक्षण करने पहुंचे । जहां बच्चों से रूबरू हुए बच्चों से चर्चा किया गया है छात्रावास में क्या मिलता है छात्रावास में मीनू हिसाब से सब बनता है। बच्चों ने बोला मीनू हिसाब से ही बनता है और सब मिलता है साथ में बच्चों को उत्साह वर्धन भी किया गया।पवन कर्मा ने कहा कि पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ मनोरंजन भी करना है, पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी करना है ,पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान की जानकारी भी रखना है। दंतेवाड़ा जिले के कलेक्टर साहब , विधायक , जिला पंचायत अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष सहित अन्य सभी प्रमुख अधिकारियों का नाम पता आप सभी को रहना चाहिए।

आप सभी को अच्छे से पढ़ लिखकर हमारे गांव, छैत्र , विकासखंड और दंतेवाड़ा जिला सहित अपने माता पिता ,गुरुजन का नाम रौशन करना है। इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य पवन कुमार कर्मा, संकुल प्रभारी,सहित ग्रामीण जन एवं आश्रम के शिक्षकगण एवं बालक बालिका उपस्थित रहे।

'पोड़ेम आयाम नट्टा' बनी बहुभाषा शिक्षण की नई पहल

कलेक्टर संबित मिश्रा ने किया गोंडी भाषा आधारित बाला कक्षा का शुभारंभ

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर संबित मिश्रा ने किया गोंडी भाषा आधारित बाला कक्षा का शुभारंभ बीजापुर - नई शिक्षा नीति के बहुभाषिक शिक्षा प्रावधान को धरातल पर उतारते हुए बीजापुर जिले में एक अभिनव प्रयास ÷पोड़ेम आयाम नट्टा÷ के रूप में सामने आया है। इस पहल के अंतर्गत स्कूली शिक्षा को स्थानीय भाषा गोंडी बोली के माध्यम से अधिक प्रभावी और बच्चों के अनुकूल बनाया गया है।इस कक्ष का शुभारंभ कलेक्टर संबित मिश्रा ने जांगला स्थित पोटा केबिन स्कूल में किया। उन्होंने विशेष रूप से गोंडी भाषा में चित्रों और दीवार लेखन के माध्यम से विकसित बाला कक्षा का अवलोकन किया और स्थानीय सांस्कृतिक जुड़ाव को शिक्षण में शामिल करने के इस प्रयास की सराहना की।÷पोड़ेम आयाम नट्टा÷ के अंतर्गत कक्षा की चारों दीवारों को विशिष्ट उद्देश्यों के साथ डिज़ाइन किया गया है ःजिनमे पहली दीवार गणितीय अवधारणाएं सिखाने वाली, दूसरी और तीसरी दीवार भाषा शिक्षण को सरल बनाने वाली, और चौथी दीवार में बाल केंद्रित प्रयोगात्मक शिक्षण के रूप में है।इन दीवारों पर गोंडी भाषा में चित्र, शब्द, संख्याएं और स्थानीय सन्दर्भों को आधार बनाकर बच्चों के लिए सहज शिक्षण वातावरण तैयार किया गया है।इस पहल में शिक्षार्थ ट्रस्ट के तकनीकी सहयोगी मोहित देव और सुमन जैन की प्रमुख भूमिका रही, जिन्होंने कलेक्टर को हर गतिविधि का विस्तृत विवरण दिया। कलेक्टर ने इसे जिले के अन्य स्कूलों में भी लागू करने के निर्देश दिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां गोंडी भाषा प्रचलित है।इस अवसर पर एपीसी जाकिर खान ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बहुभाषा शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। स्थानीय भाषा में प्रारंभिक शिक्षा बच्चों को घर जैसा माहौल प्रदान करती है और यह नवाचार स्कूल, समुदाय और संस्कृति को जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रहा है।

नशीली औषधियों के विक्रय में अनियमितता पर की जाएगी कार्रवाई, पथरिया एसडीएम ने किया मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण

मुंगेली/मूक पत्रिका

कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार पथरिया एसडीएम अजय कुमार शतरंज ने बिना चिकित्सकीय परामर्श के नशीली औषधियों के विक्रय रोकने विभिन्न मेडिकल स्टोर्स पर औचक जांच की। इस दौरान हितांशु मेडिकल स्टोर्स के संचालक द्वारा नारकोटिक एवं साइकोट्रॉपिक औषधियों के क्रय-विक्रय संबंधी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। साथ ही संचालक द्वारा प्रतिबंधित औषधियों की बिक्री के संबंध में भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। एसडीएम ने संबंधित मेडिकल स्टोर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 के तहत निरस्तीकरण अथवा निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण दल द्वारा महामाया मेडिकल स्टोर्स, शिव मेडिकल स्टोर्स, सुनील मेडिकल्स, हीरा मेडिकल स्टोर्स, मलिक मेडिकल स्टोर्स सहित कुल 08 मेडिकल दुकानों की गहन जांच की गई। इस दौरान औषधि निरीक्षक किरण सिंह एवं थाना पथरिया की टीम मौके पर उपस्थित रही।

केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा में कक्षा 1 से 5 तक के प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रारंभ - QR कोड से फॉर्म डाउनलोड की सुविधा उपलब्ध

पहला पंजीकरण प्रपत्र कक्षा 1 हेतु आज हुआ जमा

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर रणबीर शर्मा के मार्गदर्शन मे केन्द्रीय विद्यालय बेमेतरा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 1 से 5 तक के नवीन प्रवेश हेतु पंजीकरण प्रक्रिया आज से विधिवत रूप से प्रारंभ हो गई है। पंजीकरण के पहले ही दिन कक्षा 1 में प्रवेश हेतु एक अभिभावक द्वारा पहला पंजीकरण फॉर्म सफलतापूर्वक जमा किया गया, जिससे विद्यालय परिसर में एक सकारात्मक और उत्साही वातावरण देखने को मिला। विद्यालय प्रशासन ने अभिभावकों की सुविधा के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल रूप में भी सुलभ बनाया है। अब अभिभावक विद्यालय से निःशुल्क पंजीकरण फॉर्म प्राप्त करने के साथ-साथ क्यूआर कोड स्कैन कर फॉर्म और आवश्यक दस्तावेजों की सूची भी अपने मोबाइल या कंप्यूटर पर डाउनलोड कर सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से उन अभिभावकों के लिए सहायक है जो किसी कारणवश विद्यालय नहीं पहुँच सकते या घर से ही तैयारी करना चाहते हैं।क्यूआर कोड विद्यालय परिसर के सूचना पट्ट के अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स एवं प्रचार सामग्री पर भी उपलब्ध है, जिससे व्यापक स्तर पर पंहुच सुनिश्चित की गई है। विद्यालय द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंजीकरण 06 अगस्त 2025 (बुधवार) को दोपहर 2.00 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। पंजीकरण का समय प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। विद्यालय प्रशासन ने सभी पात्र अभिभावकों से अनुरोध किया है कि वे इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाते हुए समय पर पंजीकरण प्रक्रिया पूर्ण करें और अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाएं। प्रवेश से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए अभिभावक विद्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा स्वामी डीबी कार्प लिमिटेड के लिए प्लाट नम्बर 40/44 इंडस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड, उरला, रायपुर से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।